कार्तिक शुक्ल पक्ष -11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 133 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
20 नवंबर 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
26.2 अधिकतम
9.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो



Page-7

# कांग्रेस की कुलांचे मारती महत्वाकांक्षा और चंद्रशेखर के साथ ओवैसी की एंट्री!

**अखिलेश के पीडीए के सामने असहज सवाल**

ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद की एंट्री ने विपक्षी राजनीति में एक और दावेदार खड़ा कर दिया है। दोनों ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा बनाकर उत्तर प्रदेश की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है। उनका दावा है कि दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को केवल वोट बैंक बनाकर रखने के बजाय उन्हें सत्ता में भागीदारी मिलनी चाहिए। ओवैसी की राजनीति का केंद्र मुस्लिम प्रतिनिधित्व रहा है, जबकि चंद्रशेखर आजाद की राजनीतिक पहचान दलित अधिकारों और विशेष रूप से जाटव समाज के बीच बनी है। यह गठबंधन अखिलेश के पीडीए के सामने एक असहज सवाल खड़ा करता है। यदि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक ही पीडीए की राजनीति का आधार हैं तो इन समुदायों के दूसरे राजनीतिक दावेदारों को इस समीकरण से बाहर कैसे रखा जा सकता है?

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी खेमे में राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की कुलांचे अभी से दिखाई देने लगी हैं। हालांकि पिछले महीने तक समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव जिस आत्मविश्वास के साथ भाजपा को चुनौती देने की तैयारी में जुटे थे, अब उसमे फर्क आया है । उनके सामने दो नई मुश्किलें खड़ी होती दिखाई दे रही हैं। एक तरफ कांग्रेस ने गठबंधन में बराबरी की भागीदारी का दावा ठोक दिया है तो दूसरी तरफ असदुद्दीन ओवैसी ने चंद्रशेखर आजाद के साथ मिलकर नया राजनीतिक मोर्चा खोल दिया है। दोनों घटनाक्रमों का सीधा असर अखिलेश की पीडीए राजनीति पर पड़ सकता है।

यूपी का चुनावी चक्रव्यूह पार्ट - 2



राजेश सिरोठिया

कांग्रेस की बदली हुई राजनीतिक मुद्रा को समझने के लिए उसके नए प्रदेश नेतृत्व पर नजर डालना जरूरी है। आराधना मिश्रा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर पार्टी ने ब्राह्मण और मुस्लिम नेतृत्व के बीच एक राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश की है। कांग्रेस की रणनीति में यह बदलाव महज संगठनात्मक फेरबदल नहीं है। पार्टी को लगता है कि उत्तर प्रदेश में उसकी खोई हुई जमीन वापस पाने का अवसर मौजूद है।

अखिलेश यादव ने हाल में सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि कांग्रेस ने 403 विधानसभा सीटों में से 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। कांग्रेस के लिए यह मांग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2022 के विधानसभा चुनाव में वह महज दो सीटें जीत पाई थी। ऐसे में 181 सीटों की मांग को केवल सीटों की संख्या के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह सपा के सामने कांग्रेस की राजनीतिक हैसियत और भविष्य की हिस्सेदारी का दावा भी है। अखिलेश ने सीटों पर विवाद की स्थिति में दोनों दलों के प्रत्याशियों की जीतने की संभावना के आधार पर फैसला करने की बात कही है। लेकिन सवाल यह है कि इस संभावना का आकलन कौन करेगा? कौन-सा अंपायर यह तय करेगा कि किसी सीट पर सपा का प्रत्याशी अधिक मजबूत है या कांग्रेस का? क्या दोनों दलों के कार्यकर्ता इस फैसले को सहजता से स्वीकार करेंगे?

दरअसल, कांग्रेस और सपा के बीच गठबंधन की सबसे बड़ी चुनौती सीटों का बंटवारा नहीं, बल्कि एक-दूसरे के वोटों का हस्तांतरण है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में दोनों दलों के परंपरागत मतदाताओं के सामाजिक और राजनीतिक आधार अलग-अलग रहे हैं। कांग्रेस का पुराना ब्राह्मण-दलित-मुस्लिम सामाजिक आधार और सपा का यादव-मुस्लिम तथा पिछड़ा वर्ग का समीकरण अपने आप एक-दूसरे में समाहित नहीं हो जाता। गठबंधन के मंच पर साथ खड़े होने और बूथ पर एक-दूसरे को वोट दिलाने में बड़ा अंतर है। कांग्रेस को उम्मीद है कि भाजपा से असंतुष्ट ब्राह्मणों का एक हिस्सा उसके साथ लौट सकता है। मुस्लिम मतदाताओं में भी वह अपनी पुरानी राजनीतिक जगह तलाश रही है। लेकिन यही वे मतदाता हैं जिनके सहारे अखिलेश यादव भाजपा के खिलाफ विपक्षी गोलबंदी का दावा करते रहे हैं।

**दिलचस्प है मायावती की खामोशी...**

यहां 1995 के लखनऊ गेस्ट हाउस कांड की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी महत्वपूर्ण है। यादव और जाटव समुदायों के बीच राजनीतिक अविश्वास की जो खाई उस दौर में गहरी हुई, वह पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। मुस्लिम मतदाता भी अलग-अलग चुनावों में सपा और बसपा के बीच अपनी राजनीतिक प्राथमिकताएं बदलता रहा है। इस बार कांग्रेस और नए सामाजिक परिवर्तन मोर्चे की मौजूदगी उस पुराने समीकरण को और जटिल बना सकती है। हालांकि केवल गठबंधन बना लेने से वोटों का हस्तांतरण सुनिश्चित नहीं होता। ओवैसी की पार्टी का पिछला विधानसभा प्रदर्शन और चंद्रशेखर की सीमित संगठनात्मक पहुंच भी इस नए मोर्चे के सामने चुनौतियां हैं। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प पहलू मायावती की खामोशी है। जाटव मतदाताओं के बीच उनकी ऐतिहासिक पकड़ और दलित राजनीति में उनकी पहचान को देखते हुए उनकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिलहाल इतना जरूर है कि भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता का दावा करने वाले दलों के बीच ही राजनीतिक हिस्सेदारी की लड़ाई शुरू हो चुकी है। अखिलेश यादव के सामने चुनौती अब केवल योगी आदित्यनाथ को सत्ता से हटाने की नहीं, बल्कि अपने घोषित सामाजिक गठबंधन को एकजुट रखने की भी है। उत्तर प्रदेश की चुनावी बिसात पर भाजपा के सामने विपक्ष है, लेकिन विपक्ष के सामने भी कई विपक्ष खड़े हो गए हैं। ...जारी

## न्यूज विंडो

### कनाडा ने वांटेड गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर 1.62 करोड़ इनाम रखा

**जालंधर, एजेंसी।** सिद्धू मूसेवाला की हत्या समेत कई मामलों में भारत में वांटेड गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर कनाडा ने 2.5 लाख कनाडाई डॉलर (करीब 1.62 करोड़ रुपए) का इनाम घोषित किया है। यह इनाम उसे पकड़वाने में मदद करने या उसकी पुख्ता जानकारी देने वाले को मिलेगा। भारत से फरार गोल्डी कनाडा के मोस्ट वांटेड भगोड़ों की सूची में भी अब टॉप पर है। कनाडा के बीओएलओ प्रोग्राम ने आज उस पर इनाम का ऐलान किया है। यह प्रोग्राम पुलिस के साथ मिलकर फरार अपराधियों को पकड़ने में मदद करता है। इनाम की घोषणा ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई भी गोल्डी को अपनी 10 मोस्ट वांटेड भगोड़ों की सूची में शामिल कर चुकी है।



### वेलिंगटन टेस्ट... राहुल और यशस्वी की फिफ्टी, भारत का स्कोर 159/1

**वेलिंगटन।** भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में मजबूत शुरुआत की है। उसने मैच के दूसरे दिन स्टंप्स तक पहली पारी में एक विकेट पर 159 रन बना लिए हैं। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने 130 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। यशस्वी 85 रन बनाकर आउट हुए। राहुल 52 रन बनाकर नाबाद हैं। यह न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी पहली फिफ्टी है। इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 368 रन पर ऑलआउट हो गई।



### उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की मां का निधन

**पौड़ी।** यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की मां का आज निधन हो गया। आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी उत्तराखंड के पौड़ी के पंचूर गांव में ही रह रही थी, जहां 91 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। योगी के परिवार में सात भाई बहन हैं। योगी चार भाइयों और तीन बहनों में से दूसरे नंबर के हैं। उनके पिता स्वर्गीय आनन्द सिंह बिष्ट वन विभाग में फॉरेस्ट रेंजर थे, जिनका 20 अप्रैल 2020 को निधन हो गया था।



## आज का कार्टून




## अभी जारी रहेगा पहाड़ों में हो रही बर्फबारी का असर...
## पूर्वी एमपी में तीन दिन बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

# कड़ाके की सर्दी भोपाल @9°



**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी का असर प्रदेश के मौसम पर भी दिख रहा है। उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं के कारण रात के तापमान में गिरावट आई है। । राजधानी भोपाल में आज तड़के न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाजापुर में रात का तापमान सबसे कम 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा 7 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है।मौसम विभाग के मुताबिक, फिलहाल ठंड का असर ऐसा ही बना रहेगा। इस बीच बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान के असर से शुक्रवार से प्रदेश के कुछ जिलों में तीन दिन तक बारिश और आंधी चलने का अनुमान है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आज से 22 नवंबर तक पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। शुक्रवार को सीधी, मऊगंज, सिंगरौली, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया और डिंडोरी के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना है। सिवनी और मंडला में भी मौसम बदल सकता है। शनिवार और रविवार को भी पूर्वी जिलों में कहीं-कहीं बारिश के आसार हैं। हवा की रफ्तार 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। पश्चिमी मध्य प्रदेश में फिलहाल बारिश की संभावना कम है। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'अकवान' 20 नवंबर की सुबह कमजोर होकर चक्रवाती तूफान की श्रेणी में आ गया। इसके ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तट के पास पहुंचने से मध्य भारत के मौसम पर असर पड़ रहा है। समुद्र से आ रही नमी के कारण पूर्वी हिस्सों में बादल बनने और बारिश की स्थिति बन सकती है।

**उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही हवाओं से बढ़ रही ठंड**

प्रदेश में रातें ठंडी होने की प्रमुख वजह हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी और उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही ठंडी हवाएं हैं। आसमान साफ रहने पर रात में धरती की गर्मी तेजी से बाहर निकलती है, जिससे न्यूनतम तापमान गिरता है। आने वाले दिनों में ठंडी हवाओं का असर बना रह सकता है। बारिश वाले जिलों में बादल छाने से तापमान में अस्थायी उतार-चढ़ाव संभव है, जबकि बारिश थमने के बाद ठंड और बढ़ सकती है।

### आंध्र -ओडिशा से टकराया तूफान, 4 लाख लोग शिफ्ट

**भुवनेश्वर/विशाखापट्टम।** चक्रवाती तूफान अकवान आज सुबह आंध्र प्रदेश और ओडिशा के बीच गोपालपुर तट से टकराया। इस दौरान हवा की रफ्तार 70 से 90 किमी रही। तूफान के असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश हो रही है। ओडिशा में करीब 4 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। इनके लिए करीब एक हजार राहत शिविर बनाए गए हैं। साथ ही 423 रेस्क्यू टीमें तैनात की गई हैं। तूफान के चलते पूर्वी रेलवे ने 41 और दक्षिण पूर्व रेलवे ने 28 एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द कर दी हैं। वहीं, 29 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। तूफान का असर 10 राज्यों में पड़ सकता है। तमिलनाडु, पुडुचेरी के अलावा मध्य प्रदेश और झारखंड में भी बारिश और हवाओं का अलर्ट दिया गया है।

**लंबे रास्ते से अरबों रुपए की लग रही चपत**

## पाक ने भारतीय विमानों के लिए एयरस्पेस पर प्रतिबंध बढ़ाया

**इस्लामाबाद/नई दिल्ली, एजेंसी**

पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के अपने हवाई क्षेत्र में आने पर लगे प्रतिबंध को फिर बढ़ाकर 24 दिसंबर तक कर दिया है। बीते महीने भी प्रतिबंध बढ़ाया गया था, जो 24 नवंबर तक लागू है। अप्रैल, 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले और फिर मई के चार दिनी सैन्य संघर्ष के बाद से दोनों देशों के रिश्ते में आए तनाव की वजह से एयरस्पेस बंद है, जो बड़े आर्थिक नुकसान की वजह भी बन रहा है।

पाकिस्तान के इस बैन में भारत में पंजीकृत सभी विमानों, भारतीय एयरलाइनों के स्वामित्व वाले विमान और उनके संचालित या लीज पर लिए गए विमान के पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने पर रोक जारी रहेगी। हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियों के कारण दोनों देशों के बीच एयरलाइंस के कामकाज पर असर पड़ा है। इससे उन्हें कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए लंबे रास्तों से जाना पड़ रहा है। एयर इंडिया ने हाल ही में कहा है कि इन लंबे रास्तों की वजह से कुछ लंबी दूरी की उड़ानों में तीन घंटे तक का अतिरिक्त समय तक लगता है। एयरलाइंस को यूरोप और उत्तरी अमेरिका जाने वाली अपनी उड़ानों का रूट बदलना पड़ा है। एक्सपर्ट का मानना है कि इससे सेक्टर को हर साल 1.5 अरब डॉलर का नुकसान हो रहा है।



### ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाकिस्तानी मंत्री भारत पहुंचे



**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाकिस्तान का कोई मंत्री आज भारत पहुंचा है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक दिल्ली में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम में शामिल होंगे। वे पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। वहीं प्रधानमंत्री मोदी आज शाम करीब 5:30 बजे दिल्ली के पुराना किला में फोरम का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम आज से 22 नवंबर तक चलेगा।

## चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले में पुनर्विचार याचिका खारिज, अलग सुनवाई से कोर्ट का इनकार



**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े मामले में एडवोकेट प्रशांत भूषण की पुनर्विचार याचिका को दो जजों की बेंच के सामने अलग से सूचीबद्ध करने की मांग अस्वीकार कर दी है।

इस मामले की सुनवाई जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने की थी। प्रशांत भूषण ने रिकॉल आवेदन को इसी बेंच के सामने अलग से सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया।

## कांग्रेस से सीट बंटवारे के लिए सपा ने गठित की कमेटी

**लखनऊ, एजेंसी।** उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन और सीट बंटवारे की बातचीत के लिए सात सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी की अध्यक्षता प्रोफेसर रामगोपाल यादव करेंगे। कमेटी में पांच राजनीतिक नेताओं के अलावा दो डेटा एक्सपर्ट भी शामिल किए गए हैं। सपा की ओर से गठित यह टीम कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे पर चर्चा करेगी। जानकारी के अनुसार, दोनों दलों के बीच 23 और 24 नवंबर को बातचीत प्रस्तावित है। इसमें सीट शेयरिंग को लेकर सहमति बनाने की कोशिश होगी। इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक इंटरव्यू में बताया था कि कांग्रेस ने उन्हें 181 सीटों की सूची भेजी है। हालांकि, अखिलेश ने स्पष्ट किया कि गठबंधन में सीट उसी दल को मिलनी चाहिए, जिसकी संबंधित विधानसभा क्षेत्र में जीतने की मजबूत संभावना हो।



# क्रिकेट की पिच को तो धर्म की राजनीति से दूर रखिये जनाब...

कहना जरूरी है



अनिल शर्मा

क्रिकेट मैदान पर खिलाड़ियों का प्रदर्शन बोलता है, उनका धर्म या नाम नहीं। लेकिन जब राजनीति के खिलाड़ी खेल के मैदान में उतरकर धर्म और मजहब के चश्मे से टीम चयन को देखने लगें तो यह खेल भावना के साथ-साथ देश की साझा संस्कृति के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किए जाने पर दिया गया बयान इसी मानसिकता का उदाहरण है। उन्होंने सवाल उठाया कि सिराज का नाम ही क्या उन्हें टीम से बाहर रखने के लिए काफी नहीं है? इस बयान से ऐसा संदेश देने की कोशिश हुई मानो टीम चयन में खिलाड़ी के प्रदर्शन की जगह उसका धर्म देखा जा रहा हो। बिना किसी ठोस प्रमाण के लगाया गया ऐसा आरोप न केवल अनुचित है, बल्कि भारतीय क्रिकेट की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े करता है।

**भारतीय टीम की ताकत उसकी विविधता और एकजुटता**

भारतीय क्रिकेट का इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा है, जब अलग-अलग धर्मों, भाषाओं और क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने एक साथ खेलकर देश का गौरव बढ़ाया है। मोहम्मद अजहरुद्दीन, जहीर खान, इरफान पठान, हरभजन सिंह, अनिल कुंबले और सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा से पहचान बनाई। मैदान पर किसी ने किसी का धर्म नहीं पूछा। 1983 के विश्व कप से लेकर 2011 की ऐतिहासिक जीत तक भारतीय टीम की ताकत उसकी विविधता और एकजुटता रही है। सिराज के चयन पर सवाल उठाना गलत नहीं है। टीम प्रबंधन की इस मामले में तीखी आलोचना हो भी रही है । क्रिकेट के लीजेंड सुनील गावस्कर खुद इस पर सवाल उठा चुके हैं। लेकिन, केवल नाम के आधार पर भेदभाव का आरोप लगाना किसी भी तरह उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि बिना प्रमाण किसी संस्था या व्यवस्था पर सांप्रदायिक पक्षपात का आरोप लगा दिया जाए। राजनीति के लिए मुद्दों की कमी नहीं है। नेताओं को कम से कम खेल के मैदान को धर्म की राजनीति से दूर रखना चाहिए। क्रिकेट की पिच पर खिलाड़ी का बल्ला, गेंद और प्रदर्शन बोलना चाहिए, उसका मजहब नहीं।

सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि किसी भी मैच की प्लेइंग इलेवन का चयन टीम की जरूरत, पिच की स्थिति, प्रतिद्वंद्वी की रणनीति और खिलाड़ियों की मौजूदा फॉर्म के आधार पर होता है। सिराज जैसे प्रतिभाशाली गेंदबाज का किसी एक मैच में बाहर बैठना उनके योगदान को कम नहीं करता। क्रिकेट में बड़े-बड़े खिलाड़ी भी कई बार टीम से बाहर रहे हैं। क्या हर बार इसके पीछे कोई धार्मिक या राजनीतिक कारण तलाशा जाना चाहिए?

यदि धर्म के आधार पर चयन न होने का तर्क दिया जा रहा है तो फिर रवींद्र जडेजा का उदाहरण भी सामने है। भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन ऑलराउंडरों में शामिल जडेजा को भी कई मौकों पर प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। उनकी पत्नी रिवाबा जडेजा भाजपा की विधायक हैं। क्या इस आधार पर कोई यह आरोप लगा सकता है कि जडेजा को राजनीतिक विचारधारा के कारण टीम से बाहर रखा गया? निश्चित रूप से नहीं। खिलाड़ी की पहचान उसका खेल है, परिवार की राजनीतिक संबद्धता नहीं। यही कसौटी सिराज सहित हर खिलाड़ी पर लागू होनी चाहिए।

**गूंजेंगी शहनाइयां: रवि योग और तिथि के अंतिम डेढ़ घंटे में सिद्धि योग का संयोग, चातुर्मास समाप्त होते ही शुरू होंगे मांगलिक कार्य**

# 118 दिन के बाद जागे श्रीहरि, घर-घर में तुलसी-शालिगराम विवाह की खुशियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भगवान विष्णु की 118 दिनों की योगनिद्रा आज जागे। देवउठनी एकादशी पर शंख-घंटियों की गूंज, दीपों की रोशनी और विशेष पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने श्रीहरि को जगाया। इसी के साथ चातुर्मास समाप्त हो गया और विवाह, गृह प्रवेश सहित अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो गई। इस बार एकादशी पर रवि योग का संयोग बन रहा है। वहीं तिथि के अंतिम डेढ़ घंटे में सिद्धि योग रहेगा। पंचांग के अनुसार एकादशी तिथि आज सुबह 7.15 बजे शुरू होकर कल सुबह 6.30 बजे तक रहेगी। वज्र योग 21 कल सुबह 4.55 बजे तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11.50 से दोपहर 12.34 बजे तक रहेगा। हालांकि वैष्णव परंपरा के कुछ पंचांगों में एकादशी व्रत 21 नवंबर को रखने का उल्लेख है।



### गन्ने के मंडप में तुलसी शालिग्राम विवाह

एकादशी पर घरों और मंदिरों में भगवान विष्णु के जागरण की विशेष पूजा होगी। शाम को तुलसी माता के पास गन्ने का मंडप सजाकर तुलसी-शालिग्राम विवाह कराया जाएगा। इस दौरान वैवाहिक रस्में निभाई जाएंगी और भगवान को मौसमी फल, गन्ना, सिंघाड़ा, शकरकंद और बेर अर्पित किए जाएंगे। कई परिवार इस दिन छोटी दिवाली की तरह दीपदान, रंगोली और आतिशबाजी भी करेंगे। पूरा दिन उत्सवी बना रहा।



### भीष्म पंचक में पांच दिन विशेष पूजा

एकादशी के साथ भीष्म पंचक की शुरुआत होगी। इन पांच दिनों में भगवान विष्णु की पूजा, जप, तप, व्रत और दान का विशेष महत्व माना गया है। श्रद्धालु धार्मिक नियमों का पालन कर पुण्य अर्जित करेंगे।

### कल शादी का पहला मुहूर्त

कल से विवाह समारोहों की शुरुआत होगी। वहीं आज गृह प्रवेश के शुभ मुहूर्त भी बताए गए हैं। नवंबर और दिसंबर में विवाह के 10 शुभ मुहूर्त होने से भोपाल में शादी समारोहों की रौनक बढ़ने वाली है। कई मैरिज गार्डन व होटल में एडवांस बुकिंग हो चुकी है। खरमास से पहले विवाह की जल्दबाजी दिसंबर में 16 तारीख को शाम 7 बजे सूर्य के धनु राशि में प्रवेश के साथ खरमास शुरू होगा, जो 14 जनवरी तक रहेगा।



## न्यूज विंडो

### रानी कमलापति स्टेशन की पार्किंग में गुंडागर्दी, युवक को घेरकर पीटा

**भोपाल।** रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 के सामने पार्किंग में युवकों के दो पक्षों में विवाद हो गया। शुरुआत दो युवकों की बहस से हुई, लेकिन कुछ ही देर में वहां 12 से ज्यादा युवक जमा हो गए। सभी ने मिलकर एक युवक को घेर लिया और उस पर हमला कर जमकर मारपीट कर दी। युवक अकेले ही हमलावरों से बचने की कोशिश करता रहा, लेकिन भीड़ उसे लगातार पीटती रही। करीब डेढ़ मिनट तक चली मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। वीडियो में दिख रहा है कि पार्किंग क्षेत्र में दो युवकों के बीच बहस हुई। इसी दौरान कुछ और युवक वहां पहुंचते हैं और एक युवक को घेरकर पीटना शुरू कर देते हैं। हमलावरों की संख्या ज्यादा होने से युवक खुद को बचा नहीं पाता। वीडियो वायरल होने के बाद जीआरपी ने मामले को संज्ञान में लिया है।

### बजरिया में पत्नी से हुए विवाद के बाद युवक ने खाया जहर, मौत

**भोपाल।** बजरिया में पारिवारिक विवाद के बीच एक व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मामले में पत्नी से विवाद की बात सामने आई है। मृतक की पहचान विक्रम सिंह ठाकुर (40), पिता शेर सिंह, निवासी करारिया फार्म के रूप में हुई है। पत्नी से पिछले कई दिनों से चल रहे विवाद के चलते घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उसकी मौत हो गई।

### घर के भीतर युवक ने फंदा लगाकर दे दी जान, कारण तलाश रही पुलिस

**भोपाल।** खजूरी सड़क थाना क्षेत्र के बैरागढ़ कला में एक युवक ने घर के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल आत्महत्या की वजह सामने नहीं आई है। मृतक की पहचान नितेश प्रताप सिंह (35) के रूप में हुई है। वह निजी काम करता था। बीती रात उसने घर में फांसी लगा ली। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

### सरकारी अस्पतालों में दिव्यांगों को फ्री पार्किंग, बस किराए में आधी छूट

**भोपाल।** प्रदेश में दिव्यांगजनों को मिलने वाली सुविधाओं और उनके अधिकारों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय ने निर्देश जारी किए हैं। सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में दिव्यांगजनों से पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं, यात्री बसों में 50 प्रतिशत किराए की छूट नहीं देने और दिव्यांगजनों से अभद्रता करने वाले बस संचालकों पर आरटीओ कार्रवाई करेगा। आयुक्त दिव्यांगजन कार्यालय को मिली शिकायतों के बाद इंदौर, भोपाल, राजगढ़, खरगोन, भिंड व ग्वालियर के परिवहन अधिकारियों को दोषी बस संचालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। आरटीओ इंदौर ने भोपाल आरटीओ को पत्र लिखा है। इसमें कहा ळै कि खिलचीपुर से इंदौर मार्ग पर चलने वाली मां वैष्णो ट्रेवल्स के संचालक पर कार्रवाई करें। इस बस में परिचालक दिव्यांगों से पूरा किराया वसूल रहे हैं। इसकी शिकायत मिली थी।

**कहीं सड़क ही नहीं बनी, कहीं कबाड़ हो रहीं बसें; नतीजा..लोग हो रहे परेशान**

# कागजों में सुविधाओं के दावे जमीन पर वर्षों से काम अधूरे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में आए दिन सुविधाओं को बेहतर करने की बातें हो रही हैं। लेकिन सुविधाएं लोगों को मुहैया नहीं कराई जा रहीं। वर्षों से कई विकास कार्य अधूरे पड़े हैं। जहां विकास किए गए, उनकी हालत भी खस्ताहाल हो चुकी है। अधूरे निर्माण, उखड़ी व अधूरी सड़कें और वर्षों से अटके विकास के प्रोजेक्ट भी सुस्त पड़े हैं। सड़कों पर धूल, जाम और अव्यवस्था के बीच लोगों का गुजरना मुश्किल हो रहा है। हद यह है कि 30 साल पहले मास्टर प्लान में जिन सड़कों को तय किया गया, वे भी नहीं बन सकीं। इनके लिए जहां निजी जमीन अधिग्रहित होनी थी, वहां अब निर्माण हो गए। ड्राफ्ट 2031 में इनमें से कुछ सड़कों को बनाने की राह निकाली गई, लेकिन यह भी अधर में ही है। ये सड़कें ही तय समय पर बन जातीं तो कनेक्टिविटी- ट्रैफिक जाम जैसे हालातों से रोज शहरवासियों को नहीं जूझना पड़ता। बता दें कि मास्टर प्लान रोड को नौ भागों में बांटा गया था। 12 मीटर से 60 मीटर चौड़ाई वाले रास्ते तय किए थे, लेकिन 60 फीसदी सड़कें निर्धारित प्लान के अनुसार विकसित ही नहीं की गई। अब इसका सीधा असर शहर की रफ्तार और सुविधाओं पर पड़ रहा है। आए दिन जगह-जगह सड़कों पर जाम लग रहे हैं। इसमें लोग हलकान हो रहे हैं।



### 200 लो फ्लोर बस डिपो में खा रही हैं जंग

स्मार्ट एंड सस्टेनेबल सिटीज प्रतियोगिता में इंदौर ने फिर भोपाल को पीछे छोड़ा। यहां पहले से चल रही भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड की लो फ्लोर बसों के बंद होने का सिलसिला जारी है। अब तक 200 लो फ्लोर बसें डिपो में जंग खा रही हैं।

### मास्टर प्लान रोड की स्थिति

**खजूरीकलां:** अवधपुरी क्षेत्र में मास्टर प्लान 2005 में 60 मीटर चौड़ा मार्ग प्रस्तावित था। जगह न होने से ड्राफ्ट 2031 के पहले रद्द किया, बाद में 30 मीटर तय कर दिया।
**कोलार रोड** से कान्हाकुंज क्षेत्र में 60 मीटर चौड़ा मार्ग तय किया, बाद में इसे 18 मीटर चौड़ा कर दिया।
**कटारा रोड** को कोलार व रायसेन रोड के बीच लिंक रोड की तरह तय किया। निर्माण न होने से कॉलोनियां बस गई।
**डीआरएम ऑफिस** से साकेत नगर होते हुए 80 फीट रोड को एमजीएम स्कूल से बनाना प्रस्तावित किया है। ये रोड एमजीएम स्कूल के पास अब तक अटकी है।
**अशोका गार्डन क्षेत्र** से अयोध्या बायपास को जोड़ने वाली 100 फीट चौड़ी रोड प्रस्तावित की थी। अब यहां निर्माण हो गए।

### एक्सीडेंटल प्वॉइंट पांच साल में हो गए दोगुने

शहर के एक्सीडेंटल प्वॉइंट 5 साल में दोगुने हो गए, लेकिन निर्माण एजेंसियों के पास इन्हें सुधारने का पैसा नहीं है। ट्रैफिक पुलिस के बार बार प्रस्ताव भेजने के बाद भी इसका पालन नहीं करने के पीछे यही वजह बताती है।

### यहां ऐसे हालात

**नर्मदापुरम रोड:** वीर सावरकर सेतू से मिसरोद थाने तक मौजूद रोड के कट प्वॉइंट सिर्फ लोकल लोग जानते हैं। बाहरी वाहन चालक तेज रफ्तार चलते हैं और एक्सीडेंट का शिकार हो जाते हैं। सुरेंद्र पैलेसे और चिनार फॉर्च्यून के सामने भीषण हादसे हो चुके हैं।
तीनों लिंक रोड: मैनिट चौराहा, माता मंदिर चौराहा, तरुण पुष्कर, शिवाजी नगर चौराहा, रेड क्रॉस प्वॉइंट। ये लिंक रोड -1, 2 और 3 पर हैं। इन सभी जगहों पर आए दिन एक्सीडेंट हो रहे हैं। एजेंसियों को सुधार करने कई बार कहा गया लेकिन काम नहीं हुआ।
**शाहपुरा की ढलान:** बिट्टन मार्केट एपको कार्यालय के सामने काफी चौड़ाई वाली सड़क है। वाहन चालक रफ्तार बढ़ाकर मंजिल तय करने का प्रयास करते हैं। शाहपुरा तालाब के पास तीखी ढलान है। इसके चलते एक्सीडेंट हो रहे हैं।

### ये काम तो काम के ही नहीं

**इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम:** सिर्फ चालानी कार्रवाई होती है।
**कंट्रोल कमांड सेंटर:** आपात हालात में कभी मदद नहीं मिली।
**मल्टी लेवल पार्किंग:** पूरे शहर में खाली पड़ी रहती हैं।

**कोर्ट ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट, सुरक्षा का मुद्दा भी उठा**

# ट्विशा केस: सुनवाई दिल्ली में हुई तो गिरिबाला-समर्थ तिहाड़ भेजे जाएंगे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मॉडल-एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में भोपाल कोर्ट में सुनवाई के दौरान आरोपियों की जेल में सुरक्षा का मुद्दा उठा। पति समर्थ सिंह की ओर से पैरवी कर रहे वकील ने सीबीआई को अग्रिम जांच पूरी करने के लिए 60 दिन का अतिरिक्त समय देने का विरोध किया। उन्होंने अदालत में एक अन्य आवेदन पेश कर समर्थ और उसकी मां गिरिबाला सिंह की जेल में सुरक्षा पर सवाल उठाए। वकील ने बताया कि दोनों को सामान्य कैदियों के साथ रखा गया है, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

केस की सुनवाई दिल्ली होने पर संभावना है कि दोनों आरोपियों सास पूर्व जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह को तिहाड़ जेल में शिफ्ट किया जा सकता है। जेल प्रशासन के मुताबिक, गिरिबाला ने जेल में किसी तरह की परेशानी होने से इनकार किया है। वहीं समर्थ सिंह को आम कैदियों से अलग रखने की जानकारी दी गई। प्रशासन ने बताया कि समर्थ की सुरक्षा के लिए चार भरोसेमंद बंदियों की निगरानी में उनके साथ रखा गया है। सुनवाई के दौरान समर्थ सिंह के वकील ने सीबीआई की ओर से मांगे गए 60 दिन के अतिरिक्त समय का विरोध किया। सीबीआई ने भोपाल कोर्ट में आवेदन पेश कर अग्रिम जांच पूरी करने के लिए यह मोहलत मांगी है।



### दहेज प्रताड़ना के पहलुओं पर हो रही जांच: सीबीआई

जांच एजेंसी का कहना है कि मामले में दहेज प्रताड़ना और दहेज मृत्यु के पहलुओं पर जांच अभी जारी है। सीबीआई के मुताबिक, ट्विशा के आईफोन से डेटा एक्सट्रैक्शन कराया जाना बाकी है। इससे कई अहम जानकारी मिल सकती है। आरोपियों के घर से जब्त डीवीआर के सीसीटीवी फुटेज की फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट भी लंबित है।

### सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की रिपोर्ट का इंतजार

सीबीआई ने आरोपियों के घर से जब्त डीवीआर का डेटा फॉरेंसिक जांच के लिए सीएफएसएल ओर डीएफएसएस नई दिल्ली भेजा है। इसकी जांच में पता लगाया जाना है कि सीसीटीवी फुटेज की निरंतरता बनी हुई है या किसी तरह की छेड़छाड़ की गई है।

**स्कूली बच्चे देखकर औषधीय गुणों वाले पौधों की पहचान कर सकेंगे**

# अब आयुष अस्पतालों में 10 रुपए में देकर देख सकेंगे हर्बल गार्डन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के आयुष चिकित्सा संस्थानों में मरीजों और विद्यार्थियों के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। पं. खुशीलाल आयुर्वेदिक संस्थान का हर्बल गार्डन अब आम लोगों के साथ स्कूली बच्चों के लिए भी खोला जाएगा। यहां विद्यार्थी 10 रुपए शुल्क देकर औषधीय पौधों की जानकारी ले सकेंगे। पं. खुशीलाल आयुर्वेदिक संस्थान परिसर में हर्बल गार्डन को आम लोगों के लिए खोला जाएगा। यहां 200 बिस्तरों का बालिका छात्रावास बनाने और अस्पतालों की जांच लैब, ऑपरेशन थिएटर और चिकित्सा उपकरणों को अपग्रेड करने की भी तैयारी है। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में पं. खुशीलाल आयुर्वेद संस्थान परिसर में आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सा महाविद्यालयों की कार्यकारिणी समितियों की बैठक हुई। इसमें चिकित्सा सेवाओं, भवनों-शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार से जुड़े प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। खुशीलाल आयुर्वेद संस्थान के हर्बल गार्डन में औषधीय पौधे लगाए गए हैं। स्कूल अपने विद्यार्थियों को यहां भ्रमण के लिए ला सकेंगे।



### सरकारी होम्योपैथी अस्पतालों में भी मरीजों को प्राइवेट कमरे देंगे

खुशीलाल आयुर्वेद संस्थान में पंचकर्म सुपर स्पेशियलिटी एवं वेलनेस सेंटर में स्टीम चेंबर की सुविधा विकसित की जाएगी। केरल की औषधियों के उपयोग की अनुमति दी गई। फार्मेसी भवन के निर्माण और महाविद्यालय के भवनों की मरम्मत का काम समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। होम्योपैथिक कॉलेज और हकीम सैयद जिया उल हसन शासकीय यूनानी कॉलेज की बैठक में भी सुविधाओं के विस्तार पर निर्णय हुए। होम्योपैथी अस्पताल में मरीजों को उचित दर पर प्राइवेट कमरे दिए जाएंगे। ओटी, ओपीडी, जांच प्रयोगशालाओं और नेत्र रोग विभाग का आधुनिकीकरण होगा।

**आरटीओ ने की जांच तो ताबड़तोड़ की कार्रवाई**

# आईएसबीटी पर जांच,32 बसों में कमियां, 3.28 लाख तक वसूली

भोपाल। दोपहर मेट्रो

यात्री बसों में सुरक्षा मानकों और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने गुरुवार को आईएसबीटी पर जांच अभियान चलाया। परिवहन आयुक्त के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन स्क्वॉड ने 32 बसों की जांच की। इनमें यात्री सुरक्षा, परमिट शर्तों के उल्लंघन, फिटनेस और फायर सेफ्टी उपकरणों की खामियां पाई गईं। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 5 बसों से कुल 3.28 लाख रुपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। एक बस को जब्त आरटीओ कार्यालय में खड़ा कराया गया है। भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि यात्री सुरक्षा और फिटनेस मानकों को लेकर इस तरह की औचक जांच जारी रहेगी। आरटीओ का कहना है कि यात्रियों कीसुरक्षा प्राथमिकता है।

### बस नंबर: जुर्माना राशि

एमपी 42जेडजी 3333: 88 हजार
एमपी 44 जेडएफ 622: 75 हजार
बीआर 01 जीआर 9717: 60 हजार
एमपी 44 जेडएच 9555: 55 हजार
एमपी 70 जेडजी 4353: 50 हजार

**मेट्रो एंकर** 30 एकड़ जमीन मुक्त कराई, लेकिन सवाल कि अरेरा में किसने फोन कर रुकवाई कार्रवाई?

# अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने पहुंचा नगर निगम का अमला अरेरा में फोन आते ही रुका, पांच कॉलोनियों में गरजे बुलडोजर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

अवैध निर्माणों के खिलाफ नगर निगम ने शहर में बड़े पैमाने पर बुलडोजर चलाया, लेकिन अरेरा कॉलोनी में कार्रवाई की तस्वीर ने सवाल खड़े कर दिए। करोंद, बड़बई, लांबाखेड़ा, नवीबाग और खजूरीकलां में अवैध कॉलोनियों के सड़क-बाउंड्रीवॉल तोड़े गए। मालवीय नगर में बिना अनुमति बन रहे जी-प्लस वन भवन और अटल भवन के सामने जर्जर मल्टीस्टोरी भवन भी गिराया गया। निगम का दावा है कि कार्रवाई से 30 एकड़ जमीन मुक्त कराई। इसकी कीमत करीब 60 करोड़ रुपए है।



### 10 नंबर पर भी कुछ ही देर में लौट गई टीम

10 नंबर मार्केट के पास आवासीय भूखंड पर बन रहे व्यावसायिक भवन को तोड़ने पहुंची जेसीबी कुछ देर चलने के बाद रुक गई। 10 नंबर मार्केट के पास जिस भवन पर कार्रवाई शुरू की, वहां आवासीय लीज के भूखंड पर पुराने मकान को हटाकर व्यावसायिक निर्माण की शिकायतें थीं। निगम ने कार्रवाई शुरू की। मशीन से निर्माण का हिस्सा तोड़ा भी गया, लेकिन कुछ देर बाद कार्रवाई रोक दी गई। इस दौरान चर्चा यह रही कि आला अफसरों का फोन आने के बाद कार्रवाई रोक दी गई।

### खजूरीकलां में एसआर ग्रीन भी निशाने पर

खजूरीकलां में एक एकड़ में विकसित की जा रही एसआर ग्रीन कॉलोनी की सड़क और बाउंड्रीवॉल भी तोड़ी गई। निगम के अनुसार इन कार्रवाइयों से 30 एकड़ जमीन अवैध कॉलोनियों से मुक्त कराई गई है। जोन-7 के मालवीय नगर में भूखंड नंबर 6 पर 3000 वर्गफीट में बिना अनुमति बनाए जा रहे जी-प्लस वन भवन को जेसीबी से तोड़ा गया। वार्ड-47 में अटल भवन के सामने झुग्गी बस्ती में जर्जर मल्टीस्टोरी भवन को भी जेसीबी से गिराया गया। जोन-17 में सुबह करीब सात बजे शुरू हुए अभियान में बड़बई के खसरा नंबर 159 पर विकसित की जा रही कृष्णा कुंज फेज-2, लांबाखेड़ा के खसरा नंबर 255 पर वेंकटेश नगर और नवीबाग के खसरा नंबर 31/1/1 पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के निर्माण व बुनियादी ढांचे को हटाया गया। इन कॉलोनियों को बिना अनुमति विकसित किया जा रहा था। अवैध निर्माणों पर कार्रवाई को लेकर नगरीय प्रशासन एसीएस सचिव संजय दुबे ने बुधवार को निगम आयुक्त को पत्र लिखा था। उन्होंने एमओएस व एफएआर नियमों के उल्लंघन, बेसमेंट के दुरुपयोग और अवैध निर्माणों पर कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई थी।

**सुबह 7 से 10 बजे तक ग्रुप में सैर कर सकेंगे लोग**

# तेंदुए के कारण 11 दिन से बंद ईकोलॉजिकल पार्क अब खुलेगा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बाग मुगालिया स्थित ईको लॉजिकल पार्क को खोलने पर सहमति बन गई है। अब यह सुबह 7 से 10 बजे तक खोला जाएगा। शाम की सैर बंद रहेगी। पार्क में तेंदुए के मूवमेंट के बाद उसे बंद कर दिया था। इसे लेकर रहवासी 24 नवंबर को आंदोलन करने वाले थे। प्रदर्शन से पहले आज वन विभाग के अफसरों ने रहवासियों से बात की। रेंजर दीपक श्रीवास्तव, डिप्टी रेंजर कुलदीप शर्मा के साथ हुई बैठक में तय हुआ कि पार्क को सुबह 7 से 10 बजे तक सैर पर आने वालों के लिए खोला जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से प्रतिबंधित क्षेत्रों में घूमने पर मनाही रहेगी। लोग अकेले नहीं घूमेंगे।

### इसलिए बंद था पार्क

ईको लॉजिकल पार्क के पीछे बायपास के पास 9 नवंबर को तेंदुए के शावक ने 16 वर्षीय कार्तिकेय पर हमला कर दिया था। इसके बाद उसे एम्स ले जाया गया। इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई थी। बताते हैं, वह बैरिकेडिंग पार कर जंगल के प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच गया था। इसी दौरान तेंदुआ सामने आ गया। घबराकर किशोर वहीं रुक गया, तभी तेंदुए ने हमला कर उसे गिरा दिया और सीने पर पंजे मारे। खुद को बचाने के लिए किशोर ने तेंदुए को दूर किया, जिससे उसके हाथ पर भी पंजा लगा। इस मामले के बाद वन विभाग ने एहतियातन पार्क बंद कर दिया था। इसे लेकर लोग विरोध कर रहे थे।

## आदिवासी-दलित छात्रावास की बदहाली पर भड़के सिंघार

**भोपाल।** आदिवासी और दलित विद्यार्थियों के लिए बने छात्रावासों में बुनियादी सुविधाओं का मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है। राजधानी के डॉ. अंबेडकर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति महाविद्यालयीन छात्रावास की जर्जर हालत और व्यवस्थाओं की कमी को लेकर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सवाल उठाए हैं। गुरुवार को छात्रावास पहुंचे सिंघार ने विद्यार्थियों से बातचीत की और परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन की खराब स्थिति और नहाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने पर सरकार से व्यवस्थाएं सुधारने की मांग की। छात्रावास में सिंघार ने अपने प्रयासों और निधि से स्थापित कम्प्यूटर लाइब्रेरी का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि पिछले दौरे के दौरान विद्यार्थियों ने पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं और डिजिटल शिक्षा के लिए लाइब्रेरी की मांग की थी। इसके बाद उन्होंने कम्प्यूटर लाइब्रेरी की व्यवस्था कराई, ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर संसाधन मिल सकें।

## खुशीलाल का हर्बल गार्डन आम लोगों के लिए ओपन

**भोपाल।** राजधानी के आयुष चिकित्सा संस्थानों में मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने और अस्पतालों को आधुनिक बनाने की तैयारी की जा रही है। पं. खुशीलाल आयुर्वेदिक संस्थान का हर्बल गार्डन अब आम लोगों और स्कूली बच्चों के लिए खोला जाएगा। वहीं, शासकीय होम्योपैथिक कॉलेज के अस्पताल में मरीजों को भर्ती करने के लिए उचित दर पर प्राइवेट रूम उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। इसके साथ ही पंचकर्म सेंटर के आधुनिकीकरण, ऑपरेशन थिएटर, जांच प्रयोगशालाओं और चिकित्सा उपकरणों को अपग्रेड करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। गुरुवार को संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में पं. खुशीलाल आयुर्वेद संस्थान परिसर में आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सा महाविद्यालयों की कार्यकारिणी समितियों की बैठक हुई। इसमें अस्पतालों की चिकित्सा सेवाओं, भवनों और शैक्षणिक सुविधाओं को बेहतर बनाने से जुड़े कई प्रस्तावों पर निर्णय लिए गए।

### जीतू पटवारी ने हर सीट से मांगे 5-5 महिला नेताओं के नाम, टिकट की दावेदारी भी होगी मजबूत

# एमपी कांग्रेस में महिला शक्ति को चुनावी कमान देने की तैयारी!

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश कांग्रेस में अब महिला नेतृत्व को मजबूत करने के लिए बड़ी रणनीति तैयार की जा रही है। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने अभी से आगामी चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा और लोकसभा सीट से पांच-पांच सक्रिय महिला नेताओं के नाम मांगे हैं। इस पहल के जरिए कांग्रेस हर सीट पर महिला नेतृत्व की मजबूत टीम तैयार करना चाहती है।

**हर सीट पर तैयार होगी महिला नेताओं की नई टीम-** कांग्रेस की इस रणनीति के तहत प्रदेश की सभी विधानसभा और लोकसभा सीटों पर सक्रिय महिलाओं की पहचान की जाएगी। पार्टी केवल नाम जुटाने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि महिला नेताओं की राजनीतिक सक्रियता, संगठन के प्रति योगदान और जनता के बीच उनकी पकड़ का भी आकलन करेगी।




### प्रशिक्षण के बाद मिलेगा बड़ी जिम्मेदारी का मौका

चयनित महिला नेताओं को बाकायदा प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियों में प्रभावी भूमिका निभा सकें। उनके प्रदर्शन के आधार पर भविष्य में चुनावी टिकट देने से लेकर संगठन में महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी सौंपने तक पर विचार किया जा सकता है।

### रीना बोरासी ने तेज की तैयारी

इस पूरी कवायद को आगे बढ़ाने में मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी भी सक्रिय हो गई हैं। महिला नेतृत्व को मजबूत बनाने और संगठन की इस योजना को जमीन पर उतारने के लिए उन्होंने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। कांग्रेस की इस पहल का मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण लागू होने से पहले ही हर सीट पर मजबूत महिला नेतृत्व तैयार करना है।

### मोहन सरकार की बड़ी सौगात, दो साल में भरे जाएंगे 2 लाख पद

# इसी सत्र में खुलेगा एक और सरकारी डेंटल कॉलेज, ओरल हेल्थ पॉलिसी भी बनाएंगे

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में मोहन सरकार ने इसी शैक्षणिक सत्र में प्रदेश में एक और शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय शुरू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही मुंह के कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और बेहतर उपचार के लिए मध्यप्रदेश राज्य दंत परिषद से ओरल हेल्थ पॉलिसी का प्रारूप तैयार कर प्रस्तुत करने का सुझाव दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह मानव शरीर और जीवन में दांतों का विशेष महत्व है, उसी तरह समाज में दंत चिकित्सकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। वे मध्यप्रदेश राज्य दंत परिषद के हीरक जयंती समारोह और युवा दंत चिकित्सक संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।



कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले दंत चिकित्सकों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा का लगातार विस्तार किया जा रहा है। वर्ष 2002-03 तक मध्यप्रदेश में केवल पांच शासकीय मेडिकल कॉलेज थे। वर्ष 2023 तक इनकी संख्या बढ़कर 19 हुई और अब प्रदेश में कुल 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में भी मेडिकल कॉलेज खोले जाएं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ सके। उन्होंने बताया कि वर्ष 1915 में ग्वालियर में पहला आयुर्वेदिक चिकित्सा महाविद्यालय शुरू हुआ था।

### अब तक 85 हजार पदों पर हो चुकी है भर्ती

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं के रोजगार को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि प्रदेश में अब तक 85 हजार पदों पर भर्ती की गई है। आगामी दो वर्षों में दो लाख रिक्त पदों को भरने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वर्षों से लंबित पदोन्नतियों का रास्ता भी खोला है, जिससे एक लाख से अधिक शासकीय सेवक लाभान्वित हुए हैं। वर्ष 2027 को युवा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। युवाओं को रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए उस वर्ष दो बार पीएससी परीक्षा आयोजित करने की योजना है।

### सरकार ने बनाई हाईपावर टास्क फोर्स

# मप्र के किसानों का डिजिटल भविष्य संवारेगा एग्रीस्टैक

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश में कृषि व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। एग्रीस्टैक परियोजना के तहत किसानों और कृषि से जुड़े आंकड़ों का शत-प्रतिशत संकलन सुनिश्चित करने तथा उनका प्रभावी उपयोग करने के लिए राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है। कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में गठित यह समिति खेती से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए नवाचारपूर्ण और व्यापक स्तर पर लागू किए जा सकने वाले तकनीकी उपायों की पहचान करेगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

### कृषि से जुड़े विभागों के अधिकारी होंगे शामिल

टास्क फोर्स में किसान कल्याण एवं कृषि विकास, राजस्व, सहकारिता, उद्यानिकी, वित्त, जल संसाधन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पशुपालन एवं डेयरी सहित विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव सदस्य बनाए गए हैं। इसके अलावा प्रमुख राजस्व आयुक्त, आयुक्त भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त, आयुक्त सहकारिता, आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी, आयुक्त नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण और जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी भी समिति में शामिल होंगे। राज्य सहकारी बैंक, राज्य सहकारी विपणन संघ और कृषि विपणन मंडी बोर्ड के प्रबंधकीय अधिकारी भी सदस्य होंगे।



## मणिपुर में बेकाबू अफीम की खेती

इ सी सप्ताह मणिपुर के कांगपोकपी और चुराचांदपुर जिलों में करीब 10 एकड़ में फैली अफीम की अवैध फसल नष्ट किए जाने के बाद एक बार फिर यह सवाल पैदा हो गया है कि सामाजिक रूप से इस अशांत प्रदेश में अफीम की खेती काबू में क्यों नहीं आ पा रही है। केवल इस साल का आंकड़ा देखें तो अभी तक करीब तीन हजार एकड़ में अफीम की फसल को नष्ट किया गया है और अवैध खेती करने को लेकर चार सौ से ज्यादा लोगों पर आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। भारत में नारकोटिक्स विभाग की देखरेख में केवल मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में ही अफीम की वैध खेती होती है। मध्यप्रदेश में नीमच और मंदसौर, राजस्थान में झालावाड़, भीलवाड़ा, उदयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़ और प्रतापगढ़ तथा उत्तरप्रदेश के बाराबंकी में वैध खेती होती है। मगर देश के कई राज्यों में अफीम की अवैध खेती की खबरें आती रही हैं और सरकारी अमला उसे नष्ट भी करता रहा है। सबसे ज्यादा गंभीर स्थिति इस वक्त मणिपुर में पैदा हो चुकी है जहां धड़ल्ले से अफीम की अवैध खेती हो रही है। तमाम कोशिशों के बावजूद अंकुश नहीं लग पाने का बड़ा कारण यह है कि इलाका इतना दुर्गम है कि वहां पहुंचना भी एक चुनौती होती है। अफीम की फसल तीन से चार महीने में तैयार हो जाती है। अमूमन फसल ऐसे इलाके में लगाई जाती है जो जंगलों से घिरा हो और किसी को नजर नहीं आए। जब तक प्रशासन को अवैध खेती की खबर लगती है तब तक अफीम तैयार हो चुकी होती है। चूंकि मणिपुर म्यांमार के नजदीक है, जिसे नशे के सौदागरों की भाषा में गोल्डन ट्रायंगल कहा जाता है, इसलिए अफीम की तस्करी आसान हो जाती है। मगर इस साल अफीम की खेती के खिलाफ जिस तरह से अभियान चलाया गया है, उससे यह उम्मीद जग सकती है कि इस पर नियंत्रण हो जाए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की है कि दिसंबर 2029 तक भारत को ड्रग्स फ्री कर लिया जाएगा इसलिए नशे के सौदागरों पर चौतरफा हमला हो रहा है। नशे के सौदागर कोई न कोई तरीका जरूर खोज रहे होंगे जिसे पलटवार कहा जा सकता है। कई बार ऐसा लगता है कि मणिपुर को अशांत करने में नशे के सौदागरों का बड़ा हाथ है जो हिंसा बनाए रखना चाहते हैं ताकि सुरक्षा बलों की ऊर्जा हिंसा को रोकने में लगी रहे और नशे के सौदागर बेखौफ होकर नशे का व्यापार करते रहें। निश्चय ही सरकार इस नजरिये से भी जरूर सोच रही होगी। मणिपुर के किसानों को यह समझाना होगा कि अफीम की खेती कितनी खतरनाक है। लेकिन किसान या युवा तभी समझ पाएंगे जब उनके पास रोजगार के दूसरे साधन उपलब्ध हों। जब रोजगार सहज उपलब्ध होगा तो वे नशे के सौदागरों के चंगुल से बचने की कोशिश करेंगे लेकिन जब आर्थिक संकट होगा तो नशे के सौदागर उन्हें लुभाने में कामयाब होते रहेंगे।

# समयबद्ध और सस्ता न्याय सुनिश्चित करना व्यवस्था की अनिवार्य आवश्यकता

डॉ. सत्यवान 'सौरभ'
स्तंभकार



न्याय केवल न्यायालयों में होने वाली कानूनी प्रक्रिया का नाम नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता, नागरिकों के अधिकारों और संविधान की आत्मा से जुड़ा हुआ विषय है। किसी भी सभ्य समाज में न्याय का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह समय पर और प्रत्येक नागरिक की पहुंच में उपलब्ध हो। यदि किसी व्यक्ति को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए वर्षों तक न्यायालयों के चक्कर लगाने पड़ें, आर्थिक संसाधन समाप्त हो जाएं और न्याय मिलने से पहले ही उसका जीवन संघर्षों में बीत जाए, तो न्याय का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। भारतीय न्याय व्यवस्था के सामने लंबित मुकदमों का बढ़ता बोझ और सुनवाई में होने वाली देरी आज गंभीर चुनौती बन चुके हैं। हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा उच्च न्यायालयों में शीघ्र सुनवाई न मिलने के कारण वादियों के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचने की चिंता इसी समस्या की गंभीरता को उजागर करती है। यह स्थिति बताती है कि न्यायिक व्यवस्था में केवल मुकदमों का निपटारा बढ़ाना पर्याप्त नहीं, बल्कि न्याय तक पहुंचने की प्रक्रिया को भी सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना आवश्यक है।



भारत में न्यायिक देरी का सबसे प्रमुख कारण न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों का रिक्त रहना है। न्यायालयों में उपलब्ध न्यायाधीशों की संख्या मुकदमों के अनुपात में पर्याप्त नहीं है। परिणामस्वरूप मौजूदा न्यायाधीशों पर अत्यधिक कार्यभार पड़ता है। जब सीमित संख्या में न्यायाधीशों को बड़ी संख्या में मामलों की सुनवाई करनी पड़ती है, तो प्रत्येक मामले को पर्याप्त समय देना कठिन हो जाता है। नियुक्तियों में विलंब, चयन प्रक्रिया की जटिलताएं और विभिन्न स्तरों पर होने वाली प्रशासनिक प्रक्रियाएं इस समस्या को और गंभीर बनाती हैं।

दूसरा बड़ा कारण लंबित मुकदमों की विशाल संख्या है। सर्वोच्च न्यायालय से लेकर उच्च न्यायालयों और जिला न्यायालयों तक मुकदमों का लगातार बढ़ता दबाव न्यायिक व्यवस्था की कार्यक्षमता को प्रभावित कर रहा है। नए मुकदमों के आने की गति और पुराने मामलों के निस्तारण के बीच संतुलन स्थापित नहीं हो पा रहा है। कई मामलों में वादी और प्रतिवादी दोनों वर्षों तक निर्णय की प्रतीक्षा करते रहते हैं। दीवानी विवादों, संपत्ति संबंधी मामलों, पारिवारिक विवादों और आपराधिक मुकदमों में देरी का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर होता है। आपराधिक मामलों में विचाराधीन कैदियों को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ सकता है, जबकि दीवानी मामलों में संपत्ति, व्यवसाय और पारिवारिक संबंध अनिश्चितता में फंसे रहते हैं।

बार-बार होने वाले स्थगन भी न्यायिक देरी का एक प्रमुख कारण हैं। कई बार अधिवक्ताओं की अनुपलब्धता, पक्षकारों की तैयारी पूरी न होना, दस्तावेजों की कमी अथवा अन्य प्रक्रियागत कारणों से सुनवाई आगे बढ़ा दी जाती है। कुछ मामलों में अनावश्यक स्थगन मुकदमों को लंबा खींचने का माध्यम बन जाते हैं। न्यायालयों में तारीख पर तारीख मिलने की प्रवृत्ति न केवल न्यायिक समय की बर्बादी करती है, बल्कि वादियों पर आर्थिक और मानसिक दबाव भी बढ़ाती है।

इस चुनौती से निपटने के लिए सबसे पहले न्यायिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को समयबद्ध बनाना होगा। उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायालयों में रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरा जाना चाहिए। न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और तकनीकी विशेषज्ञों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी होगी। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और नियुक्तियों की पारदर्शिता बनाए रखते हुए चयन प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब समाप्त करना समय की मांग है।

दूसरा महत्वपूर्ण उपाय प्रभावी केस प्रबंधन है। प्रत्येक मुकदमे की प्रकृति और आवश्यकता के अनुसार सुनवाई की समय-सीमा निर्धारित की जानी चाहिए। अनावश्यक स्थगनों पर कठोर नियंत्रण होना चाहिए और विशेष परिस्थितियों को छोड़कर बार-बार तारीख देने से बचना चाहिए। न्यायालयों को मामलों की प्राथमिकता तय करने के लिए पारदर्शी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। वृद्धों, महिलाओं, बच्चों, गंभीर बीमारियों से जुड़े मामलों और लंबे समय से लंबित आपराधिक मामलों को उचित प्राथमिकता दी जानी चाहिए। त्वरित न्याय का अर्थ जल्दबाजी में निर्णय देना नहीं, बल्कि अनावश्यक प्रक्रियागत देरी समाप्त करते हुए निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करना है।

डिजिटल तकनीक न्यायिक सुधारों का एक प्रभावी माध्यम बन सकती है। ई-फाइलिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, डिजिटल रिकॉर्ड और ऑनलाइन केस ट्रैकिंग से न्यायिक प्रक्रियाओं को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकता है। भारत में ई-कोर्ट्स मिशन मोड परियोजना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से न्यायालयों के डिजिटलीकरण, मामलों की ऑनलाइन जानकारी और तकनीकी सुविधाओं के विस्तार को बढ़ावा मिला है। हालांकि डिजिटल न्याय व्यवस्था का लाभ तभी व्यापक होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों, छोटे शहरों और आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को भी इंटरनेट, डिजिटल साक्षरता और आवश्यक तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। तकनीक न्याय तक पहुँच का साधन बने, नई बाधा नहीं।

इसके साथ ही वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणालियों को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। मध्यस्थता, सुलह और लोक अदालतें ऐसे मंच हैं, जहाँ अनेक विवाद पारंपरिक न्यायिक प्रक्रिया की तुलना में कम समय और कम खर्च में सुलझाए जा सकते हैं। पारिवारिक विवाद, छोटे आर्थिक विवाद, बैंक ऋण और आपसी समझौते से हल होने वाले मामलों को इन माध्यमों से निपटाने पर नियमित न्यायालयों का बोझ कम किया जा सकता है। जिला स्तर पर मध्यस्थता केंद्रों को अधिक प्रभावी बनाना और प्रशिक्षित मध्यस्थों की संख्या बढ़ाना भी उपयोगी होगा। सस्ती न्याय व्यवस्था सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है जितना शीघ्र न्याय। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति केवल इसलिए न्याय से वंचित न रह जाए कि वह अधिवक्ता की फीस या मुकदमे का खर्च वहन नहीं कर सकता। इसके लिए निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं को मजबूत करना होगा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों की भूमिका को गांवों और कस्बों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाना चाहिए।

सरकारी मुकदमेबाजी को कम करने के लिए विभागों में प्रभावी विवाद समाधान तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। प्रत्येक छोटे मामले में अपील करने के बजाय अधिकारियों को तथ्यों और कानूनी स्थिति के आधार पर विवेकपूर्ण निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। अनावश्यक अपीलों और बार-बार चुनौती देने की प्रवृत्ति पर संस्थागत नियंत्रण होना चाहिए। इससे न्यायालयों का बहुमूल्य समय बचेगा और नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सकेगी।

# हमारी धर्मनिष्ठ सत्ता और ज़हरीले पानी में छठ पूजा करने वाले धर्मावलम्बी...

निर्मल रानी
स्तंभकार



टज़रलैंड की वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था एयर आईक्यू की 2026 में जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे प्रदूषित शहर और लगातार आठवें वर्ष विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी रही। नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह विशेषकर 7 नवंबर और 13-16 नवंबर के दौरान एयर आईक्यू की लाइव रैंकिंग में दिल्ली कई बार लाहौर, कोलकाता और ढाका को पीछे छोड़कर दुनिया का प्रथम सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बन गया। इस दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में दिल्ली का औसत एक्यूआई 400 के पार अर्थात गंभीर श्रेणी तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी और आईटीओ जैसे कुछ इलाक़ों में यह 450 से ऊपर दर्ज किया गया।और इसी घोर प्रदूषित राजधानी में गत दिनों उत्तर भारत विशेषकर बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय धार्मिक व सामाजिक त्यौहार छठ मनाया गया।



वर्तमान में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम तीनों ही स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। गोया दिल्ली में ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है। नवंबर 2026 में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार ने दिल्ली वासियों ख़ासकर छठ पूजा हेतु श्रद्धालुओं को साफ़ यमुना जल उपलब्ध कराने, दिल्ली के 1,400 से अधिक घाटों के निर्माण और अभूतपूर्व नागरिक सुविधाओं के बड़े दावे किए थे। सरकार का मुख्य ज़ोर इस बात पर था कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को बिना किसी गंदिगी या ज़हरीले झाग के, भव्य रूप से पूजा करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा से ठीक पहले यह भी दावा किया था कि बीजेपी सरकार की तैयारियों के तहत यमुना का पानी साफ़ है और इसमें कोई गंदगी या झाग नहीं है। उन्होंने कहा था कि इस बार व्रती स्वच्छ यमुना जल में ही सूर्य देव को अर्घ्य देंगी। दिल्ली सरकार ने दावा किया था कि यमुना नदी के पानी को पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) उपचारित किया जा रहा है, जिससे पानी या जलीय जीवों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने राजधानी भर में लगभग 1,482 छठ घाट तैयार करने का दावा किया था जो पिछले वर्ष के 1,326 घाटों की तुलना में अधिक थे। सभी बुनियादी तैयारियां 6 नवंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। उत्तरी दिल्ली में आउटर रिंग रोड से इंद्रलोक तक मुनक नहर के दोनों किनारों पर लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट बनाने और साफ़ पानी छोड़ने का दावा किया था। सरकार ने सभी घाटों पर स्वच्छता, निर्बाध बिजली, रोशनी, पीने के पानी, मोबाइल शौचालय, चेंजिंग रूम और चिकित्सा सुविधाओं के पुख्ता प्रबंध किये जाने का दावा भी किया था।

परन्तु नए कृत्रिम या नहर घाटों के निर्माण के मोर्चे पर तो सरकार कई दावों को पूरा करने में कुछ हद तक सफल ज़रूर रही परन्तु यमुना नदी को पूरी तरह साफ़ और झाग-मुक्त बनाने का उसका सबसे प्रमुख दावा ज़मीनी स्तर पर पूरा नहीं हो सका। ग़ौरतलब है कि सरकार ने दावा किया था कि छठ पूजा के दौरान इस बार यमुना नदी में ज़हरीला सफ़ेद झाग नहीं दिखेगा। 15 और 16 नवंबर 2026 को छठ पूजा के संध्या और उषा अर्घ्य के दौरान कालिंदी कुंज सहित यमुना के कई हिस्सों में श्रद्धालु कमर तक गहरे पानी और सफेद झाग की मोटी परतों के बीच पूजा करते नजर आए। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने स्वयं स्वीकार किया कि कालिंदी कुंज के बड़े हिस्सों में झाग तैरता हुआ दिखाई दिया। नदी में बिना उपचारित सीवर के पानी, औद्योगिक कचरे और डिटर्जेंट के मिलने से पानी की सतह पर इसतरह का ज़हरीला सफ़ेद झाग बनता है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि यमुना के प्रमुख घाटों का पानी नहाने योग्य मानकों पर खरा नहीं उतरा। हद तो यह कि छठ से ठीक पहले वज़ीराबाद और सोनिया विहार के पास नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने और काले व प्रदूषित पानी की तस्वीरों ने स्वच्छ यमुना जल के दावों पर और भी गंभीर सवाल खड़े कर दिये। शालीमार बाग़ के कुछ हिस्सों, कई रिहायशी घाटों व कुछ स्थानीय इलाक़ों में सफ़ाई की भारी कमी, प्लास्टिक के कचरे और अपर्याप्त रोशनी को लेकर स्थानीय लोगों ने शिकायतें दर्ज कराईं।

परन्तु श्रद्धालुओं के ज़हरीले पानी में डुबकी लगाने पर अफ़सोस जताने या इस दुर्व्यवस्था के लिये सरकार की ज़िम्मेदारी स्वीकार करने के बजाये मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई घाटों पर छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि पिछली आप सरकार ने यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगाया था, जबकि वर्तमान बीजेपी सरकार ने 1,400 से अधिक घाटों पर रेड कार्पेट बिछाकर भव्य इंतज़ाम किए। बीजेपी ने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले डेढ़ से दो वर्षों में यमुना नदी का आधे से अधिक हिस्सा साफ़ कर दिया है, जो काम कांग्रेस और आप दशकों में नहीं कर पाई। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने तो यह आरोप लगाया कि विपक्षी दल और कुछ अज्ञात लोग छठ पर्व से पहले सरकार की छवि ख़राब करने के लिए जानबूझकर यमुना नदी में मरी हुई मछलियां डाल रहे थे। सोशल मीडिया पर विपक्ष के अलावा भी अनेक लोगों ने यमुना के झाग भरे ज़हरीले पानी में पूजा करने हेतु खड़ी महिला श्रद्धालुओं के वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यही यमुना की असली हक़ीक़त है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए लोगों ने कहा कि यमुना की सफ़ाई के नाम पर केवल झूठे वादे और प्रचार किए गए, जिसके कारण श्रद्धालु ज़हरीले पानी में छठ मनाने को मजबूर हैं। कांग्रेस ने भी यमुना में तैरते ज़हरीले झाग की तस्वीरें साझा कर केंद्र और दिल्ली की बीजेपी सरकार पर लाखों श्रद्धालुओं की आस्था और स्वास्थ्य के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। निःसंदेह दिल्ली की बढ़ती आबादी के कारण यमुना नदी की स्वच्छता किसी भी सरकार के लिये एक बड़ी चुनौती है। परन्तु यह भी सच है कि देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने पहली बार किसी स्वयंभू धर्मनिष्ठ सत्ता और उसके द्वारा किये गये लंबे चौड़े वादों के बीच इस झागयुक्त ज़हरीले पानी में श्रद्धालु धर्मावलंबियों को छठ पर डुबकी लगाते देखा।

**हेल्थ अपडेट**

# वीकेंड पर दो दिन की एक्सरसाइज भी दे सकती है पूरे हफ्ते का फायदा

**आज की** भागदौड़ भरी जिंदगी में सुबह से शाम तक ऑफिस और दूसरी जिम्मेदारियों के बीच एक्सरसाइज के लिए समय निकालना आसान नहीं है। ऐसे में कई लोग पूरे सप्ताह शारीरिक गतिविधियों से दूर रहते हैं और शनिवार-रविवार को ही कसरत करते हैं। फिटनेस की दुनिया में इस तरीके को 'वीकेंड वॉरियर' कहा जाता है। अच्छी बात यह है कि वीकेंड पर की गई एक्सरसाइज भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकती है। शोध बताते हैं कि सप्ताह में जरूरी मात्रा में शारीरिक गतिविधि



पूरी करने पर हार्ट और मेटाबॉलिक हेल्थ को लाभ मिल सकता है, भले ही व्यायाम एक-दो दिन में किया जाए। डॉ. अमित कुमार, इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के प्रमुख एसोसिएट डायरेक्टर और यूनिट हेड, सर्वोदय अस्पताल, फरीदाबाद के अनुसार, एक्सरसाइज का फायदा केवल इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप सप्ताह में कितने दिन व्यायाम करते हैं। कुल शारीरिक गतिविधि भी महत्वपूर्ण है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि बाकी पांच दिन बिल्कुल निष्क्रिय रहना सही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, वयस्कों को सप्ताह में कम से कम 150 से 300 मिनट मध्यम तीव्रता वाली एरोबिक गतिविधि या 75 से 150 मिनट तेज तीव्रता वाली गतिविधि करनी चाहिए। इसके साथ सप्ताह में कम से कम दो दिन मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाले व्यायाम जरूरी हैं। वीकेंड पर एक्सरसाइज करना फायदेमंद है, लेकिन इससे पूरे सप्ताह लगातार बैठे रहने के नुकसान पूरी तरह खत्म नहीं होते। लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने से मांसपेशियों की सक्रियता घटती है। पांच दिन तक बिल्कुल व्यायाम न करने के बाद वीकेंड पर अचानक घंटों कसरत करना नुकसानदेह हो सकता है। तेज चलना, साइकिल चलाना, तैराकी और हल्की शक्ति बढ़ाने वाली कसरत अच्छे विकल्प हैं। धीरे-धीरे व्यायाम की अवधि और तीव्रता बढ़ानी चाहिए।

**नियमितता जरूरी:** फिट रहने के लिए जरूरी नहीं कि हर दिन लंबा वर्कआउट किया जाए। सबसे अच्छा व्यायाम वही है जिसे अपनी दिनचर्या में लगातार शामिल किया जा सके। वीकेंड पर एक्सरसाइज करना बिल्कुल व्यायाम न करने से बेहतर है।

**निशाना**

## बनी तुरुप की चाल गरीबी...



मनोज 'निडर'

एक सियासी चाल गरीबी।
करती मालामाल गरीबी।

कई योजनाएं खा-पीकर,
जस की तस कंगाल गरीबी।

उड़नखटोला चढ़कर देखो,
दिखती है खुशहाल गरीबी।

हर बाजी में जीत सुनिश्चित,
बनी तुरुप की चाल गरीबी।

कागज पर है काली-पीली,
पर गालों पर लाल गरीबी।

चमक गये सब मिटाने वाले,
तू दिन-दिन बदहाल गरीबी।

सत्ता से यूं चिपकी जैसे,
विक्रम से बेताल गरीबी।

**वायरल कंटेंट**

# खुद की नींद गंवाकर ट्रेन में विदेशी मेहमान को सुलाया, भारतीय फौजी ने जीत लिया दिल

**भारतीय सेना** के जवानों की बहादुरी के किस्से तो आपने बहुत सुने होंगे, लेकिन कभी-कभी उनका मानवीय चेहरा भी ऐसा नजर आता है कि दिल जीत लेता है। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ब्रिटिश यूट्यूबर का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। इसमें भारतीय सेना का एक जवान अपनी परेशानी भूलकर एक विदेशी यात्री की मदद करता दिखाई दे रहा है। दिलचस्प बात यह है कि जवान ने मेहमान को आराम से सुलाने के लिए खुद पूरी रात वॉशरूम के पास फर्श पर बैठकर गुजार दी। उसकी इस दरियादिली ने ब्रिटिश यूट्यूबर को इतना भावुक कर दिया कि वह उसकी तारीफ करते नहीं थक रहा।



ब्रिटिश यूट्यूबर जोए फेजर भारत की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली ट्रेन विवेक एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे। यह ट्रेन असम के डिब्रूगढ़ से तमिलनाडु के कन्याकुमारी तक 4,273 किमी दूरी तय करती है। पूरा सफर 75 घंटे का है। जोए ने इस यात्रा के दौरान स्लीपर, थर्ड एसी और फर्स्ट एसी तीनों श्रेणियों का अनुभव लिया और वीडियो के जरिये सोशल मीडिया पर साझा किया।

यात्रा की शुरुआत स्लीपर कोच से हुई, जहां गर्मी और भीड़ ने बुरा हाल कर दिया। उन्होंने कोच की हालत को भट्टी जैसा बताया। वॉशरूम की स्थिति भी उन्हें परेशान करने वाली लगी। रात में अपर बर्थ मिलने के कारण ठीक से सोना भी मुश्किल हो गया। सुबह साढ़े तीन बजे से यात्रियों की आवाजाही और शोर ने नींद और खराब कर दी। 24 घंटे इस तरह गुजारने के बाद उन्होंने थर्ड एसी में सफर शुरू किया। यहां कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन एक विदेशी यात्री होने के कारण लोग उन्हें उत्सुकता से देखते रहे। इसी दौरान उनकी मुलाकात भारतीय सेना के जवान अरुण से हुई। दोनों की बातचीत शुरू हुई। अरुण ने टूटी-फूटी अंग्रेजी में परिचय दिया। जोए ने उन्हें बताया कि वह कई दिनों से ठीक से सो नहीं पाए हैं।

**खुद फर्श पर बैठे, मेहमान को दे दी सीट:** इसके बाद जवान अरुण ने जो किया, उसने इस पूरी यात्रा को जोए के लिए जिंदगी भर की याद बना दिया। उन्होंने अपनी सीट ब्रिटिश यात्री को सोने के लिए दे दी और खुद रातभर वॉशरूम के पास कॉरिडोर में फर्श पर बैठे रहे। उन्होंने अपनी सुविधा से ज्यादा एक अनजान यात्री की परेशानी को महत्व दिया। जोए के मुताबिक, उन्होंने अपनी जिंदगी में इतने निस्वार्थ भाव से मदद करने वाला इंसान पहले कभी नहीं देखा था।

जोए ने अपने वीडियो में जवान अरुण का परिचय अपने दर्शकों से कराया और उनकी उदारता की खुलकर तारीफ की। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग भारतीय जवान के व्यवहार की सराहना कर रहे हैं।

**न्यू वेंचर**

# आसमान में जियो की तैयारी, 1600 सैटेलाइट नेटवर्क से मिलेगा इंटरनेट

**इंटरनेट** की दुनिया में अब मुकाबला जमीन से आसमान तक पहुंचने वाला है। मोबाइल नेटवर्क और ब्रॉडबैंड के बाद रिलायंस जियो अब अंतरिक्ष के रास्ते देशभर में इंटरनेट पहुंचाने की तैयारी कर रही है। कंपनी 1,600 सैटेलाइट का नेटवर्क खड़ा करना चाहती है, जिसके जरिए देश के दूरदराज इलाकों तक तेज इंटरनेट पहुंचाया जा सकेगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए जियो ने सैटेलाइट बनाने वाली कंपनियों, तकनीकी स्टार्टअप और बड़े औद्योगिक समूहों के साथ साझेदारी की तलाश शुरू कर दी है। इसका मकसद एलन मस्क की स्टारलिंक को टक्कर देने वाला स्वदेशी सैटेलाइट इंटरनेट नेटवर्क तैयार करना है।




**2035 तक आसमान में होगा जियो का नेटवर्क:** रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिलायंस ने इस प्रोजेक्ट के लिए 2035 का लक्ष्य रखा है। कंपनी लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में सैटेलाइट का जाल बिछाना चाहती है। ये सैटेलाइट पृथ्वी की निचली कक्षा में चक्कर लगाते हुए जमीन पर मौजूद रिसीवर तक इंटरनेट सिग्नल पहुंचाएंगे। इससे उन इलाकों में भी ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना संभव होगा, जहां मोबाइल टावर या फाइबर नेटवर्क पहुंचाना मुश्किल है। परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती सैटेलाइट का बड़े पैमाने पर निर्माण करना है। भारत में अभी सालाना 15 से भी कम सैटेलाइट बनाए जाते हैं, जबकि 1,600 सैटेलाइट वाले नेटवर्क के लिए हर साल 200 सैटेलाइट बनाने की क्षमता विकसित करनी होगी। जियो सैटेलाइट खरीदने के लिए अमेरिका की दो कंपनियों से बातचीत कर रही है। यूरोप में भी तलाश की जा रही है। कंपनी घरेलू निर्माण और विदेश से सैटेलाइट खरीदने, दोनों विकल्पों को साथ लेकर चलने की योजना बना रही है। चीन से मदद लेने का विचार नहीं है। एलन मस्क की स्टारलिंक पहले ही सैटेलाइट इंटरनेट के वैश्विक बाजार में पहचान बना चुकी है।

**इंटरनेट की नई जंग अब अंतरिक्ष में:** जियो की यह योजना नया कारोबारी उपक्रम नहीं, भारत के दूरसंचार और अंतरिक्ष उद्योग के लिए भी बड़ा अवसर बन सकती है। परियोजना सफल होती है तो सैटेलाइट निर्माण, प्रक्षेपण सेवाओं और अंतरिक्ष तकनीक से जुड़े भारतीय स्टार्टअप्स को नए अवसर मिलेंगे। हालांकि, 1,600 सैटेलाइट तैयार करना, उन्हें कक्षा में स्थापित करना और सेवा बनाए रखना आसान नहीं होगा। फिलहाल जियो की तैयारी ने साफ कर दिया है कि आने वाले वर्षों में इंटरनेट की अगली बड़ी प्रतिस्पर्धा मोबाइल टावरों से आगे अंतरिक्ष में होने वाली है।

## डीआईजी शशीन्द्र सिंह चौहान ने घटनास्थल का किया निरीक्षण, परिजनों-ग्रामीणों से ली जानकारी, बच्चों को बांटी टॉफी-चॉकलेट

# मासूम अभिषेक हत्याकांड : अब दोषी तक पहुंचेगी पुलिस की जांच, खुलासा करने वाली टीम को मिलेगा इनाम

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के गूढ़ा गांव में 11 वर्षीय अभिषेक अहिरवार की हत्या से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। सात दिन से लापता मासूम का शव तीन दिन पहले गांव के खेत में मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को सागर रेंज के डीआईजी शशीन्द्र सिंह चौहान घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर परिजनों और ग्रामीणों से चर्चा की तथा अधिकारियों को जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों ने बच्चे की गुमशुदगी के शुरुआती दिनों में खोजबीन में कथित लापरवाही का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि समय रहते सघन तलाशी होती तो शायद अभिषेक की जान बच सकती थी। डीआईजी ने भरोसा दिलाया कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने बच्चों से आत्मीय बातचीत कर टॉफी-चॉकलेट बांटी और थाना परिसर में पौधरोपण भी किया। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि हत्याकांड का जल्द खुलासा करने वाली पुलिस टीम को उचित इनाम दिया जाएगा। उन्होंने हर पहलू से जांच और संदिग्धों से पूछताछ के निर्देश दिए। इस दौरान दमोह



एसपी आनंद कलादगि, एसडीओपी अर्चना अहीर, तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद जांच तेज कर दी है।

### सात दिन की तलाश के बाद खेत में मिला मासूम का शव

गूढ़ा गांव निवासी 11 वर्षीय अभिषेक अहिरवार सात दिनों तक लापता रहा। परिजन उसकी तलाश में लगातार परेशान होते रहे और थाने के चक्कर भी लगाते रहे। इसके बाद गांव के खेत में उसका शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। ग्रामीणों ने शुरुआती खोजबीन की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि गुमशुदगी के मामलों में पहले 24 घंटे बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। उनका आरोप है कि यदि शुरुआत से ही गांव और आसपास के खेतों में गंभीरता से तलाशी अभियान चलाया जाता तो शायद मासूम की जान बचाई जा सकती थी। अब ग्रामीण पुलिस से जल्द और निष्पक्ष खुलासे की उम्मीद कर रहे हैं।

### बच्चों से आत्मीयता, पुलिस टीम को इनाम का भरोसा

हत्याकांड की जांच के बीच डीआईजी शशीन्द्र सिंह चौहान का मानवीय अंदाज भी देखने को मिला। घटनास्थल के पास मौजूद बच्चों से उन्होंने आत्मीयता से बातचीत की और उन्हें टॉफी-चॉकलेट वितरित की। उनके इस व्यवहार ने ग्रामीणों का ध्यान खींचा। डीआईजी ने बच्चों और ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि अभिषेक के साथ हुई दरिंदगी के दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इसके बाद उन्होंने तेजगढ़ थाना परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अधिकारियों से जांच की प्रगति की जानकारी लेते हुए उन्होंने प्रत्येक पहलू की बारीकी से पड़ताल करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि मामले का जल्द खुलासा करने वाली पुलिस टीम को उचित इनाम देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

## न्यूज विंडो

### फर्शी डेस्क टूटी, कक्षा 7वीं का छात्र घायल, घुटना फटा, दिखने लगी हड्डी



**तेंदूखेड़ा।** तेजगढ़ थाना क्षेत्र के शासकीय माध्यमिक शाला हर्रई सिंगौरगढ़ में गुरुवार को जर्जर डेस्क ने एक मासूम छात्र को गंभीर रूप से घायल कर दिया। मध्यान्ह भोजन की छुट्टी के दौरान कक्षा सातवीं का छात्र हेमराज लोधी कक्षा में खेलते समय सीमेंट और मार्बल टाइल्स से बनी डेस्क से गिर पड़ा। डेस्क का पत्थर टूटने से उसके दाहिने घुटने में गहरी चोट आई और हड्डी तक दिखाई देने लगी। शिक्षकों ने उसे तेजगढ़ स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर दमोह जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। छात्र का उपचार जारी है। घटना के बाद स्कूल की व्यवस्थाओं और शिक्षकों की निगरानी पर सवाल उठने लगे हैं। अभिभावकों का आरोप है कि जर्जर डेस्क लंबे समय से बच्चों के लिए खतरा बनी हुई थीं, लेकिन जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। तेंदूखेड़ा ब्लॉक के अन्य स्कूलों में भी ऐसी डेस्क टूटने की शिकायतें हैं। परिजनों ने जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

### अंधे मोड़ पर अचानक सामने आई गाय डाक बांटकर लौट रहे दो पोस्टमैन घायल



**तेंदूखेड़ा।** तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र में डाक वितरण कर लौट रहे दो डाककर्मी सड़क हादसे में घायल हो गए। ग्राम जामुन से डाक बांटकर लौट रहे नरेश (22) और सचिन (20) की बाइक जंगल के बीच अंधे मोड़ पर अचानक सामने आई गाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर टकरा गई। हादसे में नरेश के हाथ, पैर और सिर में चोटें आईं, जबकि सचिन के पेट में गंभीर चोट लगी। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से सचिन को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर रेफर कर दिया गया। दोनों घायल हरियाणा के निवासी हैं।

### 'बेर, भाजी, आंवला... उठो देव सांवला', आज घर-घर गूंजेंगे मंगल गीत



**गंजबासौदा।** देवउठनी ग्यारस का पर्व आज श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। मान्यता है कि चार माह की योगनिद्रा के बाद भगवान विष्णु जागृत होंगे। इस अवसर पर घरों में चौक सजाकर भगवान विष्णु और तुलसी माता की पूजा-अर्चना की जाएगी। दीप जलाकर सुख-समृद्धि की कामना होगी। कई घरों में तुलसी विवाह भी आयोजित किया जाएगा। पर्व को लेकर बाजारों में रौनक है। गन्ना, बेर, भाजी, आंवला और पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदारी चल रही है। देवउठनी एकादशी के साथ ही विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत होगी।

## 50 सदस्यीय टीम ने संभाला मोर्चा, अवैध परिवहन में डंपर और भंडारण के मामले में जेसीबी भी पकड़ी

# नर्मदा में खनन माफियाओं पर प्रशासन का बड़ा प्रहार, सात पनडुब्बियां और सात मोटरबोट जब्त

**मंगेश यादव/नर्मदापुरम। । दोपहर मेट्रो**

नर्मदा नदी में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ जिला प्रशासन ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देश पर गुरुवार सुबह 5 बजे से सिवनीमालवा क्षेत्र में नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों पर संयुक्त छापेमार कार्रवाई की गई। करीब 50 सदस्यीय राजस्व, खनिज और पुलिस विभाग की टीम ने नदी में अवैध उत्खनन में लगी 7 पनडुब्बियां और 7 मोटरबोट जब्त की हैं। कार्रवाई के दौरान अवैध खनिज परिवहन और भंडारण के मामलों में एक डंपर और जेसीबी मशीन भी जब्त की गई है।

एसडीएम विजय राय के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने सुबह से ही नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों पर घेराबंदी कर जांच शुरू की। अवैध उत्खनन में इस्तेमाल किए जा रहे संसाधनों को कब्जे में लिया गया। कार्रवाई की निगरानी के लिए एसडीएम विजय राय स्वयं नाव से नदी में पहुंचे और विभिन्न घाटों पर चल रही कार्रवाई का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रशासन की कार्रवाई के दौरान जब्ती का सिलसिला जारी रहा।



### 15 दिन में 25 से अधिक वाहन जब्त

जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम के अनुसार अवैध उत्खनन के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। पिछले सप्ताह सिवनीमालवा क्षेत्र में की गई कार्रवाई में 5 पनडुब्बियां, 6 से अधिक मोटरबोट और अवैध उत्खनन में इस्तेमाल डंपर, जेसीबी व ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए थे। पिछले 15 दिनों में अवैध खनन में संलिप्त 25 से अधिक वाहन और संसाधन जब्त किए जा चुके हैं। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के मामलों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस गतिविधि में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

### अवैध परिवहन और भंडारण पर भी कार्रवाई...

रेत उत्खनन के साथ ही प्रशासन ने गिट्टी के अवैध परिवहन और भंडारण के खिलाफ भी कार्रवाई की। अवैध रूप से गिट्टी का परिवहन करते पाए जाने पर डंपर को जब्त कर आरटीओ परिसर में खड़ा कराया गया है। वहीं, इटारसी में गिट्टी के अवैध भंडारण के मामले में एक जेसीबी मशीन जब्त कर पथरौटा थाने की अभिरक्षा में रखवाई गई है।

## गांव-गांव तक पहुंचेगी योजनाओं की जानकारी, प्रस्फुटन समितियों की जिम्मेदारी हुई तय



**सिरोंज।** मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के तहत जनपद पंचायत सभागार में जिला समन्वयक पूजा श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं द्वारा क्षेत्र में संचालित गतिविधियों की समीक्षा कर जमीनी कार्यों की प्रगति जानी गई।

जिला समन्वयक ने समिति अध्यक्षों, सचिवों और संस्था प्रमुखों से गांवों में हो रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए सक्रियता से जनजागरूकता अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना और पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाना सामाजिक कार्यकर्ताओं की भी जिम्मेदारी है। इसके लिए गांवों में निरंतर संपर्क और जनभागीदारी जरूरी है।

बैठक में सूचना बोर्ड, दस्तावेजीकरण, वाचनालय, नर्सरी एवं संस्कार केंद्रों की गतिविधियों की समीक्षा कर निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए। शुभारंभ महापुरुषों एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। अंत में विकासखंड समन्वयक चरण सिंह दांगी ने आभार जताया। बैठक में रामचरण कुर्मी, प्रमोद रघुवंशी, किशोर पटेल, प्रथम रघुवंशी, कृष्णचंद्र पटेल, इंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

# शादी का वादा कर मायके से ले गया प्रेमी, मुकरा तो टूट गई जिंदगी की डोर

## जंगल में पेड़ से लटका मिला था नवविवाहिता का शव

### एक महीने की जांच में खुला प्रेम और धोखे का राज आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

शादी का भरोसा देकर मायके से साथ ले जाने और बाद में वादे से मुकरने के मामले में नवविवाहिता की मौत की गुत्थी तेंदूखेड़ा पुलिस ने सुलझा ली है। पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेमी की वादाखिलाफी से आहत होकर युवती ने आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मामला 10 अक्टूबर का है, जब दरौली के जंगल में पेड़ से लटका युवती का शव मिला था। मृतका की पहचान सागर जिले के केसली थाना क्षेत्र के ग्राम जरुआ निवासी 20 वर्षीय सोनम पति संदीप गौड़ के रूप में हुई। उसकी शादी इसी वर्ष 12 मई को हुई थी। घटना के समय वह अपने मायके जामुन गांव के हनुमतबाग में रह रही थी।

जांच के दौरान युवती का मोबाइल और मंगलसूत्र गायब मिले। कॉल डिटेल, अज्ञात नंबर से आए फोन और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को अहम सुराग मिले। एसडीओपी अर्चना अहीर के नेतृत्व में हुई जांच में ग्राम सलैया हटरी निवासी सोनसिंह लोधी से युवती के करीब डेढ़ साल पुराने प्रेम संबंध सामने आए।

पुलिस के अनुसार, 9 अक्टूबर की रात आरोपी युवती को अपने साथ ले गया और शादी का भरोसा दिया, लेकिन बाद में मुकर गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 108 एवं एससी-एसटी एक्ट की धारा 3(2)(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया।

# 50 लाख की जमा पूंजी के लिए ठंड में भी जंग, चौथे दिन टेंट लगाकर बैठे हितग्राही

## मृतक कियोस्क संचालक के परिजनों के घर के सामने जारी धरना, टेंट में ही बना रहे भोजन; चार महीने की मोहलत बीतने के बाद भी नहीं मिली रकम

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

झलौन में मृतक एसबीआई कियोस्क संचालक रूपेश जैन के पास जमा ग्रामीणों की 50 लाख रुपए से अधिक की कथित बकाया राशि का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। अपनी मेहनत की कमाई वापस पाने के लिए महिला और पुरुष हितग्राही कड़ाके की ठंड के बीच चौथे दिन भी सागर रोड स्थित मृतक के मकान के सामने धरने पर डटे रहे। अब हितग्राहियों ने ठंड से बचने के लिए मौके पर टेंट लगवा लिया है और वहीं रहने तथा भोजन बनाने की व्यवस्था कर ली है। उनका साफ कहना है कि जब तक पूरी रकम वापस नहीं मिलती, वे धरना समाप्त नहीं करेंगे। हितग्राही टेंट में ही भोजन बना रहे हैं और दिन-रात अपनी जमा पूंजी वापस मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, करीब चार माह पहले रूपेश जैन की मृत्यु के बाद बकाया राशि को लेकर मंदिर



में बैठक हुई थी। इसमें परिजनों ने रकम लौटाने के लिए चार महीने का समय मांगा था। ग्रामीणों ने सहमति भी दी, लेकिन समय सीमा पूरी होने के बावजूद भुगतान नहीं हुआ। हितग्राहियों का कहना है कि किसी ने वर्षों की मेहनत की कमाई तो किसी ने मुआवजे की राशि कियोस्क के माध्यम से जमा कराने के लिए दी थी। गरीब परिवारों की यह जमा पूंजी उनके भविष्य का सहारा थी। अब अपनी ही रकम के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ रहा है। मकान के सामने स्थित परिजनों की किराना दुकान पर भी ताला लगा है। 50 लाख से अधिक की कथित बकाया राशि के इस मामले में लगातार बढ़ते आंदोलन के बीच अब ग्रामीणों की निगाहें पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

## मेट्रो एंकर | झलौन वन परिक्षेत्र में गड़बड़ी का मामला, आरोपों की डीएफओ कराएंगे जांच

# मजदूरों के नाम पर पौधरोपण, भुगतान पहुंचा रेंजर की बहू के खाते में!

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

उपवन मंडल तेंदूखेड़ा के झलौन वन परिक्षेत्र में पौधरोपण कार्य के नाम पर मजदूरी भुगतान में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। तत्कालीन रेंजर सतीश मसीह पर आरोप है कि उनके कार्यकाल में प्लांटेशन की मजदूरी की राशि वास्तविक श्रमिकों के बजाय उनकी बहू निशा सहित अन्य रिश्तेदारों के खातों में डलवाई गई। इस मामले ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो यह उन वास्तविक मजदूरों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने जंगल में पौधरोपण और अन्य कार्यों में मेहनत की। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर किस आधार पर सरकारी




कार्य की मजदूरी परिवार और रिश्तेदारों के खातों में पहुंची? क्या संबंधित लोगों ने वास्तव में पौधरोपण कार्य किया था या फिर भुगतान में अनियमितता बरती गई? इसकी निष्पक्ष जांच होने पर ही पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। मजदूरी भुगतान से जुड़े मस्टर रोल, श्रमिकों की सूची और बैंक खातों की जांच इस मामले में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

### शासकीय वाहन और सागौन कटाई पर भी सवाल

तत्कालीन रेंजर के कार्यकाल में शासकीय वाहन के संचालन को लेकर भी आरोप लगाए गए हैं। बताया जाता है कि वाहन मालिक को पांच हजार रुपए प्रतिमाह देकर दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी से वाहन चलवाया जाता था। इसके अलावा इसी कार्यकाल में झलौन वन परिक्षेत्र में अवैध सागौन कटाई के कई मामले सामने आने की बात भी कही जा रही है। इन घटनाओं को लेकर विभागीय निगरानी और जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं।

### डिप्टी रेंजर ने की मामले की पुष्टि, अब होगी जांच

मामले में झलौन वन परिक्षेत्र के डिप्टी रेंजर शंकर सिंह ने बताया कि सतीश मसीह ने अपनी बहू निशा के नाम पर मजदूरी की राशि जरूर डलवाई थी, हालांकि कितनी बार और कितनी राशि का भुगतान हुआ, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। वहीं डीएफओ ईश्वर जालान्डे ने मामले की जांच कराने की बात कही है। अब निगाहें जांच पर टिकी हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि भुगतान के दस्तावेजों की पड़ताल में क्या तथ्य सामने आते हैं और अनियमितता प्रमाणित होने पर जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

### सियार के हमले में पत्नी को बचाने दौड़ा पति भी घायल

**तेंदूखेड़ा।** ग्राम इमलीडोल में गुरुवार रात करीब 2 बजे शौचालय जा रही 62 वर्षीय सूरजरानी पति छानी गौड़ पर जंगली सियार ने हमला कर दिया। पत्नी की चीख सुनकर बचाने पहुंचे 64 वर्षीय पति छानी गौड़ भी सियार के हमले में घायल हो गए। ग्रामीणों ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। परिजनों का आरोप है कि रात में डॉक्टर नहीं मिलने से उन्हें इलाज नहीं मिला और सुबह 12 बजे उपचार शुरू हुआ। सूचना पर पहुंचे डिप्टी रेंजर भगवानदास सेन ने दोनों घायलों को एक-एक हजार रुपए की सहायता दी। लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों में दहशत है।


## कार्यालय थाना प्रभारी थाना बागसेवनिया जिला भोपाल

क्रमाक था./बाग/भो.मर्ग-डी. 1833/26 दिनाँक 14/10/26

प्रति,

**जाहिर सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनाँक 14/01/26 को सूचक प्रकाश करोसिया पिता बाबूलाल करोसिया उम्र 35 साल निवासी शमशाम घाट के पास लाहरपुर झुग्गी बागसेवनियां भोपाल मो.न. 8821961059 ने थाना में उपस्थित होकर सूचना दी कि मैं लिखाये पते पर रहता हूं तथा साफ सफाई का काम करता हूं। आज दिनांक 14/01/2026 को सुबह करीबन 10:30 बजे मैं अपने काम से आईएसबीटी बस स्टैण्ड जा रहा था कि जैसे ही मैं हबीबगंज नाका कलारी के पास पहुंचा तो कलारी के सामने तरफ रोड किनारे लोगों की भीड़ इकट्ठा थी मैंने जाकर देखा तो एक व्यक्ति फुटपाथ पर चित्त अवस्था में पडा हुआ है जिसके दोनों हाथ पेट के पास हैं, जो नीले रंग की फुल अस्तीन की हुडी पहने हुये है, काले रंग का पेंट, नीले रंग के सेंडल पहने हुए है, काले रंग की बैल्ट पहने हुए है। मृतक के वारिसानो के संबंध मे कोई जानकारी मिलती है तो थाना बागसेवनिया भोपाल को मोबाईल नं 9479990539 पर सूचना देने का कष्ट करें।



G-21794/26 थाना प्रभारी, थाना बागसेवनिया जिला भोपाल

# नगर पालिका के टेंडर में पसंदीदा ठेकेदार को फायदा पहुंचाने की शिकायत

## 42 लाख के निर्माण कार्य की निविदा में भेदभाव का आरोप, ठेकेदार ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन, बिड नहीं खोलने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

**अनूपपुर। दोपहर मेट्रो**

नगर पालिका परिषद अनूपपुर में निर्माण कार्यों के टेंडर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। वार्ड क्रमांक 01 में पेवर ब्लॉक, सीसी रोड एवं विद्युतीकरण कार्य की निविदा प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप लगाते हुए ठेकेदार विनोद कुमार खेमका ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी निविदा बिना उचित कारण बताए नहीं खोली गई, जबकि एकल फर्म की फाइनेंशियल बिड खोल दी गई।

ठेकेदार के अनुसार टेंडर क्रमांक 533519 दिनांक 13 अक्टूबर 2026 को जारी हुआ था। उनका कहना है कि शुरुआत में विद्युतीकरण संबंधी पंजीयन की शर्त शामिल नहीं थी, लेकिन बाद में समय बढ़ाकर यह शर्त जोड़ दी गई। उन्होंने 42 लाख रुपए के कार्य में विद्युत कार्य की हिस्सेदारी मात्र पांच प्रतिशत होने का हवाला देते हुए इस शर्त पर भी सवाल उठाए हैं।




खेमका का आरोप है कि उन्हें अपात्र घोषित करने से पहले न तो कोई सूचना दी गई और न ही दस्तावेजों की कमी बताकर उन्हें स्पष्टीकरण का अवसर दिया गया। उन्होंने पूरी निविदा प्रक्रिया को नियम विरुद्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच और अपनी बिड खोलने की मांग की है।

### एकल फर्म की बिड खोलने पर उठाए सवाल

ठेकेदार विनोद कुमार खेमका के अनुसार 5 नवंबर 2026 को उनकी अनुपस्थिति में फाइनेंशियल बिड खोल दी गई और एकल फर्म को प्रक्रिया में शामिल किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब उनकी निविदा को अपात्र किया गया तो इसका स्पष्ट कारण क्यों नहीं बताया गया? उनका कहना है कि शासन के निर्देशों के अनुसार किसी ठेकेदार को अपात्र करने से पहले कारण बताना और अपूर्ण दस्तावेजों के संबंध में नियमानुसार अवसर देना जरूरी है। उन्होंने शासन के नियम पत्र क्रमांक/या.प्र./07/2025/0269 दिनांक 2 सितंबर 2025 का हवाला देते हुए दो करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों में प्री-क्वालिफिकेशन की व्यवस्था का भी उल्लेख किया है।

### बिड खोलने की मांग, नहीं तो जाएंगे न्यायालय

ठेकेदार ने सीएमओ को सौंपे ज्ञापन में मांग की है कि उनकी निविदा को नियमानुसार खोला जाए और पूरी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायत का समाधान नहीं हुआ तो वे कानूनी कार्रवाई करने के लिए बाध्य होंगे। मामले की प्रतिलिपि प्रमुख अभियंता नगरीय प्रशासन विभाग भोपाल, कार्यपालन यंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग शहडोल, कलेक्टर अनूपपुर और नगर पालिका अध्यक्ष को भी भेजी गई है। अब देखना होगा कि नगर पालिका प्रशासन शिकायत पर क्या कदम उठाता है और निविदा प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों का क्या जवाब देता है।

## पानी के लिए सड़कों पर उतरा खवासा, पांचवें दिन भी धरना जारी समर्थन में बंद रहा पूरा बाजार

झाबुआ। नर्मदा-माही परियोजना का लाभ खवासा क्षेत्र को नहीं मिलने से लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। मांग को लेकर जारी अनिश्चितकालीन धरना शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के समर्थन में नगर का बाजार पूरी तरह बंद रहा, जबकि आवश्यक सेवाओं को छूट दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र की करीब 20 पंचायतों की एक लाख आबादी पेयजल और सिंचाई की समस्या से जूझ रही है। नवंबर में ही पेयजल संकट गहराने लगा है, ऐसे में गर्मी में हालात बिगड़ने की आशंका है। देर शाम प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों एवं आंदोलनकारियों से चर्चा कर बंद वापस लेने की अपील की, लेकिन सहमति नहीं बनी।

प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि अब मौखिक आश्वासन नहीं चलेगा। नर्मदा-माही परियोजना में शामिल करने अथवा मांगों पर निर्णय का लिखित आश्वासन मिलने के बाद ही धरना समाप्त होगा।

## न्यूज विंडो

### कूनों में गूंजी चीतों की किलकारी, मादा चीता ने दिया 4 शावकों को जन्म, देश में संख्या 62 पहुंची



**श्योपुर।** मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान से प्रोजेक्ट चीता के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। बोत्सवाना से लाई गई ढाई वर्ष की मादा चीता ने शुक्रवार को चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया। इसके साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 62 हो गई है। इनमें 43 चीते भारतीय धरती पर जन्मे हैं। करीब चार वर्ष पहले शुरू हुआ चीता पुनर्वास कार्यक्रम अब वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। कूनो में लगातार चीतों का कुनबा बढ़ना परियोजना की सफलता का संकेत माना जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों को बड़ी सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री ने इसे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय बताते हुए प्रोजेक्ट चीता से जुड़े वन्यजीव विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और वनकर्मियों को बधाई दी। चार नए शावकों के जन्म से कूनो में उत्साह का माहौल है।

### हादसे को न्योता दे रहा कोतमा रेलवे अंडरब्रिज खुली नालियों से कभी भी हो सकती है दुर्घटना

**कोतमा।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कोतमा स्टेशन के समीप वार्ड क्रमांक 7 स्थित रेलवे अंडरब्रिज राहगीरों के लिए खतरे का सबब बन गया है। अंडरब्रिज का रास्ता पहले से ही संकरा है और दोनों तरफ बनी गहरी खुली नालियां दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं। यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन अब तक नालियों को ढकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। बारिश और रात के अंधेरे में इस मार्ग से गुजरना और भी जोखिम भरा हो जाता है। नालियों को कवर कराने के लिए नगर पालिका कोतमा और जिला प्रशासन कई बार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल को पत्र लिख चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। रेलवे की भूमि होने के कारण नगर पालिका और प्रशासन भी निर्माण नहीं करा पा रहे हैं। ऐसे में नागरिकों की सुरक्षा का सवाल जिम्मेदार विभागों के बीच उलझा हुआ है। अब सवाल यह है कि रेलवे प्रशासन किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा या समय रहते नालियों को सुरक्षित करने की पहल करेगा?



## इंदौर से कट्ठीवाड़ा के बीच बेधड़क हो रहा था संचालन, मेडिकल किट, सीसीटीवी कैमरे भी नहीं

# यात्रियों की जान से खिलवाड़... तीन साल से बिना परमिट सड़कों पर दौड़ रही बस जब्त

### यात्री बोले- 450 रुपए किराया लेकर भी नहीं दिया टिकट और सीट

**धार। दोपहर मेट्रो**

परिवहन नियमों और यात्री सुरक्षा को ताक पर रखकर संचालित हो रही बस के खिलाफ धार आरटीओ ने बड़ी कार्रवाई की है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद आरटीओ हृदेश यादव ने इंदौर से कट्ठीवाड़ा के बीच चल रही यात्री बस क्रमांक एमपी 13 पी 4618 को जब्त कर नौगांव थाने में खड़ा कराया। जांच में सामने आया कि बस का परमिट वर्ष 2023 में ही समाप्त हो चुका था, इसके बावजूद संचालक यात्रियों को ढो रहा था। बस में न तो प्राथमिक उपचार के लिए मेडिकल किट थी और न ही सीसीटीवी कैमरे लगे थे।

जांच के दौरान यात्रियों ने बताया कि 209 किलोमीटर के सफर के लिए उनसे 450 रुपए किराया वसूला गया, लेकिन टिकट नहीं दी गई और बैठने के लिए सीट तक उपलब्ध नहीं कराई गई। चालक और परिचालक के असहयोगात्मक रवैये पर आरटीओ ने चालक का लाइसेंस निरस्त करने की बात कही।

कार्रवाई के दौरान यात्रियों को दूसरी बस से रवाना किया गया। बस में अकेले सफर कर रहे 13 वर्षीय बालक को सुरक्षित उसके मौसा के घर पीथमपुर पहुंचाया गया। मामले ने परिवहन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।



### विशेष चेकिंग में 10 से 12 बसों की जांच

परिवहन आयुक्त और कलेक्टर के निर्देश पर गुरुवार को धार आरटीओ हृदेश यादव के नेतृत्व में टीम ने इंदौर-अहमदाबाद रोड और मांडव रोड पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान 10 से 12 यात्री बसों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दो वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें एक यात्री वाहन से 7 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। आरटीओ ने स्पष्ट किया कि यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले बस संचालकों को बख्शा नहीं जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ जांच और कार्रवाई का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

### बस में अकेला मिला 13 वर्षीय बालक, सुरक्षित घर पहुंचाया

बस की जांच के दौरान आरटीओ की नजर 13 वर्षीय बालक पर पड़ी, जो पीथमपुर से कट्ठीवाड़ा अकेले सफर कर रहा था। लंबी दूरी की यात्रा में नाबालिग को अकेला देखकर अधिकारियों ने उसकी सुरक्षा को प्राथमिकता दी। कार्रवाई के कारण अन्य यात्रियों को भी बीच रास्ते में परेशानी न हो, इसके लिए तत्काल दूसरी बस की व्यवस्था की गई और सभी को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। वहीं नाबालिग बालक को सुरक्षित वापस पीथमपुर स्थित उसके मौसा के घर पहुंचाया गया। इस कार्रवाई में यात्रियों की सुरक्षा के साथ एक बच्चे की जिम्मेदारी भी निभाई गई।

## खदान में स्वास्थ्य केंद्र या सिर्फ दिखावे का बोर्ड, श्रमिकों की सेहत पर उठे गंभीर सवाल



**अनूपपुर।** माइनिंग कॉर्पोरेशन की बागसाइड खदान परिसर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का बोर्ड लगा है, लेकिन यहां वास्तविक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं, यह बड़ा सवाल बन गया है। खदान में काम करने वाले श्रमिकों और कर्मचारियों के उपचार के लिए बनाए गए इस केंद्र में डॉक्टर, नर्स और कंपाउंडर की नियमित मौजूदगी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

सवाल यह भी है कि क्या स्वास्थ्य केंद्र केवल बोर्ड तक सीमित है या यहां मरीजों को वास्तव में उपचार, दवाइयां और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं मिल रही हैं? आपातकालीन स्थिति में श्रमिकों को तत्काल इलाज कैसे उपलब्ध कराया जाता है?

मामले में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रशासन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खनन प्रबंधन को स्पष्ट करना चाहिए कि यह केंद्र किस विभाग के अधीन संचालित है, कितने कर्मचारी पदस्थ हैं और नियमित निरीक्षण कौन करता है। श्रमिकों की सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य की जिम्मेदारी भी जरूरी है। ऐसे में प्रशासन को जांच कर वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करनी चाहिए।

# सागर के बंडा में देसी शराब पीने के बाद 2 लोगों की मौत, तीसरे की हालत गंभीर

### बंडा के सेमरा रामचंद्र गांव में सामने आया मामला, तीनों को हुई थी उल्टी, सिरदर्द और आंखों में जलन मौतों की वजह अब भी रहस्य

**सागर। दोपहर मेट्रो**

जिले के बंडा थाना क्षेत्र की गुगरा चौकी अंतर्गत ग्राम सेमरा रामचंद्र में देसी शराब पीने के बाद दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद पुलिस और आबकारी विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

मृतकों की पहचान कमलेश लोधी (40) पिता नारायण लोधी और चंद्रभान लोधी (42) पिता मुलायम लोधी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों ने गुरुवार सुबह करीब 9 बजे बंडा की सरकारी शराब दुकान से खरीदी गई देसी शराब पी थी। दोनों अलग-अलग रहते थे और उन्होंने साथ बैठकर शराब नहीं पी थी। कुछ समय बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों के मुताबिक, चंद्रभान की रात करीब 3:30 बजे मौत हो गई, जबकि कमलेश ने बीएमसी में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

### पहले से बीमार थे तीनों

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कमलेश को पाइल्स और रक्तस्राव की समस्या थी, जबकि चंद्रभान पहले भी अत्यधिक शराब सेवन के कारण अस्पताल में भर्ती हो चुका था। तीसरे व्यक्ति राजू लोधी को भी शुगर की बीमारी है। शराब पीने के बाद उसे सिरदर्द, उल्टी और आंखों में जलन की शिकायत हुई थी। पुलिस और आबकारी विभाग की टीमें ग्रामीणों एवं परिजनों से पूछताछ कर रही हैं। फिलहाल शराब का ब्रांड और मौतों का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्थिति साफ हो सकेगी।

# दहेज की मांग ने उजाड़ा सुहाग...प्रताड़ना से तंग आकर सपना ने दी जान, पति-ननंद पर केस

### 33 वर्षीय विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस की कार्रवाई, मां-बहनों और मामा के बयानों में सामने आई प्रताड़ना की बात

**धामनोद। दोपहर मेट्रो**

दहेज की मांग और कथित घरेलू प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या करने वाली 33 वर्षीय विवाहिता की मौत के मामले में धामनोद पुलिस ने उसके पति और ननंद के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मर्ग जांच, परिजनों के बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। दोनों आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान सपना पति जितेंद्र मालवीय निवासी महेश्वर रोड, डीपीएस स्कूल के सामने धामनोद के रूप में हुई है। 26 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 6:55 बजे सपना ने आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान मृतका की मां गायत्री, बहनों अंजली और संगीता तथा मामा टिकमचंद के बयान दर्ज किए गए। परिजनों ने अपने बयानों में पति और ननंद द्वारा दहेज की मांग को लेकर सपना को प्रताड़ित किए जाने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस ने मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल की। जिला अभियोजन अधिकारी (डीपीओ) से विधिक राय लेने के बाद पुलिस ने पति जितेंद्र पिता मिश्रीलाल मालवीय और ननंद चित्रा उर्फ चेतना पति ओमप्रकाश जायसवाल के खिलाफ अपराध क्रमांक 592/26 दर्ज किया है। दोनों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85, 108, 115(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक दीपिका बामनिया कर रही हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपियों की तलाश जारी है। अब आगे की जांच और साक्ष्यों के आधार पर मामले में कार्रवाई की जाएगी।



## मेट्रो एंकर

### स्कूल में बच्चों की उपस्थिति, कोर्स पूर्णता और त्रैमासिक परिणाम की हुई समीक्षा

# अर्धवार्षिक परीक्षा से पहले स्कूलों में चला निरीक्षण, छात्रों को दिए टिप्स

**नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो**

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन में अर्धवार्षिक परीक्षाओं के पूर्व नरसिंहपुर विकासखंड के शासकीय हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में विभागीय निरीक्षण का क्रम जारी है। इसी क्रम में निरीक्षण दल ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुराच, धमना, शासकीय हाईस्कूल नयागांव, देवनगर नया एवं पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मूंगवानी का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति, पाठ्यक्रम पूर्णता की स्थिति, त्रैमासिक परीक्षा परिणाम के आधार पर शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए संबंधित पोर्टल पर शत-प्रतिशत कार्य की प्रगति का अवलोकन किया गया।




अधिकारियों ने विद्यार्थियों से अर्धवार्षिक परीक्षा की तैयारियों को लेकर संवाद भी किया और उनकी अध्ययन संबंधी समस्याओं एवं तैयारियों की जानकारी ली।पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मूंगवानी में निरीक्षण दल ने संचालित कक्षा का अवलोकन किया। छात्र-छात्राओं से विषयवार अध्ययन एवं परीक्षा की तैयारी पर चर्चा कर उनका उत्साहवर्धन किया। अधिकारियों ने नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन एवं विषयों के पुनराभ्यास के माध्यम से अर्धवार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए उपयोगी टिप्स दिए।निरीक्षण दल में सहायक संचालक शिक्षा ए.एस. मसराम, एडीपीसी संजय जैन एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी बृजेश शर्मा शामिल रहे। इस अवसर पर संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य फूलसिंह मेहरा एवं श्रीमती अलका ठाकुर सहित विद्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

**निरीक्षण में इन बिंदुओं पर रहा फोकस :** निरीक्षण दल ने पांच विद्यालयों में विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण करने और त्रैमासिक परीक्षा परिणाम के आधार पर कमजोर विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने पर विशेष जोर दिया। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए पोर्टल पर शत-प्रतिशत प्रविष्टि और प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने प्राचार्यों को निर्देश दिए कि कोई भी पात्र विद्यार्थी योजना से वंचित न रहे और परीक्षा से पूर्व सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं।

# बैंक कर्मचारी से दिनदहाड़े 77 हजार नकद, चांदी के जेवर ले उड़े बदमाश

**धार। दोपहर मेट्रो**

जिले की सरदारपुर तहसील के राजगढ़ थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े लूट की वारदात हो गई। छड़ावद गांव के आगे मोटरसाइकिल सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने आईडीएफसी बैंक के कर्मचारी को कट्टे की नोक पर धमकाकर 77 हजार 640 रुपए नकद, चांदी के आभूषण और मोबाइल लूट लिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

पुलिस को फरियादी साहिल पिता शेखर खत्री (23), निवासी गांधी कॉलोनी धार ने बताया कि वह आईडीएफसी बैंक में ग्रुप रिलेशन ऑफिसर के पद पर कार्यरत है। शुक्रवार सुबह से वह अलग-अलग स्थानों पर बैंक का कलेक्शन कर रहा था। उसने 77 हजार 640 रुपए एक काले बैग में रखे थे, जिसमें कलेक्शन शीट भी थी। दोपहर करीब 12:30 बजे वह छड़ावद से राजगढ़ लौट रहा था। तभी राजगढ़ की ओर से आए बाइक सवार तीन बदमाशों ने उसकी गाड़ी के सामने मोटरसाइकिल अड़ाकर रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने चेहरे कपड़े से ढंक रखे थे। दो आरोपी नीचे उतरे और बैग व गाड़ी की चाबी छीनने लगे। साहिल ने चाबी झाड़ियों में फेंक दी। इस पर एक बदमाश ने कट्टा दिखाकर उसे डराया, जबकि दूसरे ने बैग, चांदी का ब्रेसलेट, दो अंगूठियां और मोबाइल छीन लिया। तीसरा आरोपी बाइक चालू कर खड़ा रहा। लूट के बाद तीनों फरार हो गए। पुलिस को कुल 77,640 रुपए नकद सहित चांदी के जेवर और मोबाइल लूटे जाने की शिकायत दी गई है।

### बॉल टैंपरिंग को लेकर बैनक्रॉफ्ट का बड़ा खुलासा, बोले-

# प्लानिंग में शामिल थे कई खिलाड़ी, स्मिथ ने बनाई थी दूरी

**नई दिल्ली, एजेंसी**

क्रिकेट की दुनिया के सबसे चर्चित विवादों में शामिल 2018 का केपटाउन बॉल टैंपरिंग मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए टेस्ट मैच में गेंद से छेड़छाड़ के मामले को लेकर अब नए खुलासे सामने आए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी हाल ही में प्रकाशित किताब में दावा किया है कि बॉल टैंपरिंग की जानकारी सिर्फ तीन खिलाड़ियों तक सीमित नहीं थी, बल्कि पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस बारे में पता था। ख्वाजा के इस दावे के बाद क्रिकेट जगत में नई बहस छिड़ गई है। अब इस विवाद के मुख्य किरदार रहे कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी कई अहम बातें सामने रखी हैं। उनके बयान ने आठ साल पुराने इस मामले को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

**बैनक्रॉफ्ट का बड़ा खुलासा, स्मिथ ने बनाई थी दूरी-** बॉल टैंपरिंग के दौरान सैंडपेपर का इस्तेमाल करने वाले कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने दावा किया है कि तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस योजना से खुद को अलग रखने की कोशिश की थी। द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, बैनक्रॉफ्ट ने बताया कि इस मामले को लेकर हुई बातचीत में स्मिथ भी शामिल हुए थे। बैनक्रॉफ्ट के अनुसार, स्मिथ ने स्पष्ट कर दिया था कि वह इस योजना में कोई भूमिका नहीं निभाना चाहते। हालांकि, बैनक्रॉफ्ट ने यह भी आरोप लगाया कि बातचीत में डेविड वॉर्नर और ड्रेसिंग रूम के अन्य सदस्य भी शामिल थे। उनके इस बयान ने टीम के भीतर इस घटना को लेकर पहले से मौजूद सवालों को फिर हवा दे दी है।



**मुझे पता था कि यह चीटिंग है, फिर भी तैयार हो गया**

बैनक्रॉफ्ट ने उस समय की परिस्थितियों को याद करते हुए बताया कि कुछ साथी खिलाड़ियों ने उन्हें सावधान रहने की सलाह दी थी। वहीं, कुछ खिलाड़ियों ने यह भी कहा था कि वे उनकी जगह होते तो ऐसा काम नहीं करते। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें अच्छी तरह पता था कि सैंडपेपर का इस्तेमाल करना गलत है और यह सीधे तौर पर धोखाधड़ी थी। इसके बावजूद एक युवा खिलाड़ी के रूप में टीम के लिए योगदान देने की इच्छा ने उनके फैसले को प्रभावित किया। बैनक्रॉफ्ट ने बताया कि उस समय वह अपना सातवां टेस्ट मैच खेल रहे थे। उनसे पूछा गया था कि क्या वह यह काम कर सकते हैं। उन्हें यह स्थिति असहज और समझौता करने जैसी लगी, लेकिन टीम में अपनी जगह और योगदान साबित करने की चाह में उन्होंने ऐसा किया।

**स्मिथ-वॉर्नर पर लगा था 12 महीने का बैन**

मार्च 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट के दौरान बॉल टैंपरिंग का मामला सामने आया था। इस विवाद में स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर कार्रवाई हुई थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी जांच के बाद स्मिथ और वॉर्नर पर 12-12 महीने का प्रतिबंध लगाया था, जबकि बैनक्रॉफ्ट को नौ महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया था। इस घटना को क्रिकेट इतिहास में सैंडपेपरगेट के नाम से जाना जाता है। इस विवाद ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की छवि को बड़ा झटका दिया था।

### एशिया कप में बने टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

# सहवाग की छाया से निकले, अब आर्यवीर खुद बनाएंगे पहचान!



**मुंबई, एजेंसी**

क्रिकेट के मैदान पर किसी दिग्गज खिलाड़ी का बेटा होना जितना आसान दिखाई देता है, हकीकत में उतना ही चुनौतीपूर्ण होता है। पिता की शोहरत के साथ उम्मीदों का दबाव और हर प्रदर्शन की तुलना भी झेलनी पड़ती है। टीम इंडिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर भी इसी चुनौती से गुजर रहे थे। मैदान पर उतरने से पहले उनके खेल से ज्यादा उनके सरनेम की चर्चा होती थी। लेकिन अंडर-19 एशिया कप में बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर आर्यवीर ने आलोचकों को जवाब दे दिया है। उन्होंने साबित कर दिया कि वह सिर्फ सहवाग के बेटे नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा के दम पर पहचान बनाने का माद्दा भी रखते हैं।

**361 रन बनाकर बने टूर्नामेंट के सितारे-** भारत को अंडर-19 एशिया कप का खिताब दिलाने में आर्यवीर ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 361 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे। उनके लगातार शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भी आर्यवीर ने दबाव के बीच 58 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। भारतीय टीम ने 338 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की और खिताब अपने नाम किया।

**सहवाग की सीख को मैदान पर उतारा**

बेटे की इस सफलता से वीरेंद्र सहवाग बेहद खुश हैं। उन्होंने गुरुवार को पीटीआई से बातचीत में कहा कि वह आर्यवीर को हमेशा समझाते थे कि क्रिकेट में सम्मान हासिल करना है तो बड़ी पारियां खेलनी होंगी। आर्यवीर ने इस टूर्नामेंट में अपनी बल्लेबाजी से उनकी इसी सीख को साबित किया है। सहवाग ने कहा, ‘मैं खुश हूं कि आर्यवीर ने भारत की एशिया कप जीत में योगदान दिया। खासकर पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में उसका प्रदर्शन शानदार रहा। उसने सिर्फ रन नहीं बनाए, बल्कि बड़ी पारियां भी खेलीं।’ सरनेम के कारण झेली आलोचना, अब प्रतिभा की चर्चा

### ग्लेन फिलिप्स का ऐतिहासिक शतक

# 118 रन की पारी खेलकर रोहित के खास क्लब में हुए शामिल

**वेलिंगटन, एजेंसी**

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने वेलिंगटन में भारत के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन (शुक्रवार) शतक लगाया। फिलिप्स ने 118 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही फिलिप्स ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

**भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले पहले कीवी खिलाड़ी-** ग्लेन फिलिप्स एक ही कैलेंडर ईयर में भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। एक ही कैलेंडर ईयर में किसी टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले फिलिप्स दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह कीर्तिमान भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी हासिल कर चुके हैं।



**वनडे में 106 और टी20 में 107 रन की खेली थी पारी-** फिलिप्स ने जनवरी 2026 में इंदौर में भारत के खिलाफ हुए वनडे में 106 रन की पारी खेली थी। वहीं, भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई घरेलू टी20 सीरीज के चौथे मैच में उन्होंने 107 रन बनाए थे। मौजूदा टेस्ट में खेली गई 118 रन की पारी से उन्होंने एक कैलेंडर ईयर में एक ही टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने की उपलब्धि हासिल की।

**रोहित शर्मा भी बना चुके हैं यह खास रिकॉर्ड**

रोहित शर्मा ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ तीनों ही फॉर्मेट में शतक लगाया था। उस समय वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज थे। ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड के लिए एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर उभरे हैं, और भारत के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा से शानदार रहा है। फिलिप्स ने भारत के खिलाफ 4 टेस्ट मैचों की 6 पारियों में 1 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 232 रन बनाए हैं। वहीं, 16 वनडे की 12 पारियों में 1 शतक की बदौलत 342 रन बनाए हैं। टी20 फॉर्मेट में फिलिप्स का प्रदर्शन और भी प्रभावशाली है। भारत के खिलाफ 22 टी20 मैचों की 20 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 657 रन बनाए हैं।

# एकादश चयन पर उठते गंभीर सवाल

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक मेजबान टीम ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए शानदार वापसी कर ली। एक समय न्यूजीलैंड ने महज 70 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद निकोल्स और फिलिप्स ने पारी को संभालते हुए भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। टीम इंडिया ने शुरुआती सत्र में चार विकेट झटककर मुकाबले पर पकड़ बनाई थी, लेकिन मध्यक्रम की साझेदारी ने उसकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया।वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिहाज से बेहद अहम इस सीरीज में टीम इंडिया क्या गुल खिलाएगी, यह तो वक्त बताएगा, लेकिन पहले ही दिन टीम मैनेजमेंट के एकादश चयन ने सवालों की झड़ी लगा दी है।दरअसल, मौजूदा न्यूजीलैंड दौरे के लिए 37 खिलाड़ियों के भारी-भरकम चयन के बाद ऐसा लगा था कि चयनकर्ताओं ने मोहम्मद शमी को छोड़कर लगभग उन सभी खिलाड़ियों को किसी न किसी फॉर्मेट में जगह दे दी है, जो टीम इंडिया की जर्सी पहनने के हकदार थे। हालांकि शमी को नजरअंदाज करने पर भी गंभीर सवाल उठे थे। मेरे नजरिये में तो श्रेयस अय्यर को वनडे में पहले उपकप्तानी और फिर कप्तानी की जिम्मेदारी देना भी थोड़ा अटपटा था। विदेशी सरजमीं की उछाल भरी पिचों पर उनकी तकनीकी कमजोरी मध्यक्रम बल्लेबाजी की नाजुक कड़ी बन सकती थी। खैर,जब टीम सफेद गेंद की दोनों सीरीज जीत गई तो जीत के शोर में तमाम सवाल दब गए।लेकिन दौरे के सबसे अहम पड़ाव यानी टेस्ट सीरीज के आगाज पर एक बार फिर टीम इंडिया का एकादश संयोजन चर्चा के केंद्र में आ गया। सबकी निगाहें गेंदबाजी विकल्पों और ऑलराउंडर की भूमिका पर ही थीं। उम्मीद के मुताबिक टीम ने 6 बल्लेबाज, 4 गेंदबाज और 1ऑलराउंडर के साथ मैदान में उतरने का फैसला किया। कागजों पर यह संयोजन संतुलित जरूर दिखता है, लेकिन गेंदबाजों का चयन व ऑलराउंडर के विकल्प ने टीम मैनेजमेंट को एक बार फिर गंभीर सवालों के कटघरे में खड़ा कर दिया है।सिराज की जगह प्रसिद्ध कृष्णा और रवींद्र जडेजा की जगह वॉशिंगटन सुंदर को अहमियत देने के फैसले ने चयन की कसौटी पर सवाल खड़े कर दिए।सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या न्यूजीलैंड की परिस्थितियों, पिच की उछाल और सीम मूवमेंट को देखते हुए प्रसिद्ध कृष्णा या फिर आकाशदीप और कंबोज को सिराज से बेहतर विकल्प माना गया?सच तो यह है कि सिराज का अनुभव, नई गेंद से विकेट निकालने की क्षमता और विदेशी परिस्थितियों में प्रदर्शन उन्हें ज्यादा मजबूत दावेदार बनाते हैं।मैनेजमेंट के इस फैसले का मजेदार पहलू यह है कि पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद बल्लेबाजी कोच कोटक गेंदबाजों के चयन को सही बताने के लिए बयान जारी करते हैं।ऐसा माना जा रहा है कि प्रसिद्ध कृष्णा को मौका देने के पीछे उनकी अतिरिक्त उछाल व गति को आधार माना गया होगा, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में केवल कद और रफ्तार ही सफलता की गारंटी नहीं होते।इसी तरह वर्ल्ड टेस्ट रैंकिंग के टॉप आलराउंडर जडेजा जैसे अनुभवी और भरोसेमंद दिग्गज को बाहर बैठाकर सुंदर को मौका देना भी चर्चा का विषय है। सुंदर की बल्लेबाजी में उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन जडेजा का अनुभव, विकेट लेने की क्षमता और फिर निचले क्रम में बल्लेबाजी का योगदान किसी भी टेस्ट टीम के लिए बड़ी ताकत है। खासकर तब, जब मुकाबला वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से बेहद अहम हो।भले ही टीम चयन का अधिकार कप्तान, हेड कोच के पास है, लेकिन इस अधिकार के साथ जवाबदेही भी जुड़ी होती है। सफेद गेंद की जीत से टेस्ट क्रिकेट की चुनौतियों को कम करके नहीं आंका जा सकता। न्यूजीलैंड की वापसी ने पहले ही दिन यह संकेत दे दिया है कि मुकाबला आसान नहीं होने वाला। अब देखना होगा कि मैनेजमेंट के यह प्रयोग टीम इंडिया के लिए मास्टरस्ट्रोक साबित होते हैं या चयन की रणनीति पर उठे सवालों को और हवा देते हैं।खैर जो भी होगा वह तो वक्त ही बतायेगा, लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि अंतिम एकादश चयन के मायने और सवाल फिलहाल बेहद गंभीर हो गये हैं।



आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

### बावुमा का कप्तानी में ऐतिहासिक धमाका

# शुरुआती 16 टेस्ट में सबसे ज्यादा जीत का बनाया रिकॉर्ड



**नई दिल्ली, एजेंसी**

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में जीत दर्ज कर क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। बावुमा बतौर कप्तान शुरुआती 16 टेस्ट मुकाबलों में सर्वाधिक जीत हासिल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान 14 मैचों में टीम को जीत दिलाई है। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने दुनिया के कई दिग्गज कप्तानों को पीछे छोड़ दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ मिली जीत ने दक्षिण अफ्रीका के दबदबे के साथ बावुमा की कप्तानी का लोहा भी मनवा दिया।

**पोंटिंग और स्टीव वॉ जैसे दिग्गज पीछे छूटे**

शुरुआती 16 टेस्ट में सर्वाधिक जीत हासिल करने वाले कप्तानों की सूची में बावुमा 14 जीत के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान लिंडसे हैसेट 13 जीत के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, बिल वुडफुल, स्टीव वॉ और रिकी पोंटिंग ने शुरुआती 16 मुकाबलों में 11-11 जीत दर्ज की थीं। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स भी 11 जीत के साथ इसी पायदान पर हैं। बावुमा की यह उपलब्धि बताती है कि उनकी अगुआई में दक्षिण अफ्रीकी टीम किस तरह लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। मुकाबले में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने पहली पारी में 400 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना सर्वाधिक टेस्ट स्कोर खड़ा किया। तौहीद हिरदॉय ने 137 और लिटन दास ने 120 रन की शानदार पारियां खेलीं।

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

### बिकिनी में तारक मेहता की हीरोइनों का टशन

# दयाबेन ने दिखाई बोल्डनेस, बबीता जी ने लगाई आग, फैंस के उड़े होश

टीवी का लोकप्रिय कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा सालों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। शो के हर किरदार ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। खासकर शो की महिला कलाकारों को दर्शक उनके संस्कारी और घरेलू अंदाज में देखना पसंद करते हैं। लेकिन पर्दे पर सीधी-सादी दिखने वाली ये अभिनेत्रियां असल जिंदगी में काफी स्टाइलिश, ग्लैमरस और बिंदास हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें अक्सर चर्चा बटोरती रहती हैं।

शो में बबीता जी का किरदार निभाने वाली मुनमुन दत्ता अपनी खूबसूरती और स्टाइल के लिए काफी लोकप्रिय हैं। रियल लाइफ में भी उनका फैशन सेंस शानदार है। सोशल मीडिया पर उनकी ग्लैमरस तस्वीरें और बोल्ड फोटोशूट अक्सर वायरल होते रहते हैं। उनके फैंस पर्दे से अलग उनके इस अंदाज को भी खूब पसंद करते हैं।

दयाबेन के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली दिशा वकानी को दर्शकों ने हमेशा संस्कारी और चुलबुले अंदाज में देखा है। हालांकि, करियर के शुरुआती दौर में उनका अंदाज पर्दे पर निभाए गए किरदार से काफी अलग रहा। उनके पुराने प्रोजेक्ट्स और तस्वीरें भी समय-समय पर चर्चा में आती रही हैं। बावरी और अंजलि भी नहीं हैं पीछे- शो में बावरी का किरदार निभाने वाली मोनिका भदौरिया भी रियल लाइफ में काफी स्टाइलिश हैं। शो में सलवार-सूट में नजर आने वाली मोनिका सोशल मीडिया पर अपने ग्लैमरस लुक्स से सुर्खियां बटोरती हैं।



**सोनू की बदल गई पूरी तस्वीर**

शो में सोनू का किरदार निभा चुकीं निधि भानुशाली अब अपने ग्लैमरस और ट्रेंडी अंदाज के लिए चर्चा में रहती हैं। उनकी सोशल मीडिया तस्वीरों में अलग-अलग फैशन लुक देखने को मिलते हैं। माधवी भिड़े का किरदार निभाने वाली सोनालिका जोशी को शो में अक्सर साड़ी पहने देखा जाता है, लेकिन असल जिंदगी में उनका स्टाइल काफी अलग है। दूसरी ओर, पलक सिधवानी यानी नई सोनू भी अपने फैशनेबल अंदाज से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती हैं।

# कॉफी विद करण में अनन्या पांडे ने खोले बचपन के दिलचस्प राज, ऋतिक को बताया अपना पहला प्यार

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे भले ही आज फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुकी हैं, लेकिन बचपन में वह भी दूसरी लड़कियों की तरह सुपरस्टार्स की बड़ी प्रशंसक थीं। खासकर अभिनेता ऋतिक रोशन को लेकर उनकी दीवानगी कुछ अलग ही थी। अनन्या ने हाल ही में करण जौहर के चर्चित चैट शो कॉफी विद करण में अपने बचपन का एक ऐसा मजेदार किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर सभी हंसने लगे। उन्होंने बताया कि एक बार बर्थडे पार्टी में उन्होंने अपने दोस्तों के साथ मिलकर ऋतिक रोशन के सामने तीन बार डांस परफॉर्म किया था।

दरअसल, शो में अनन्या पांडे भारतीय उद्यमी अनन्या बिड़ला के साथ पहुंची थीं। बातचीत के दौरान जब बचपन और पसंदीदा सितारों का जिक्र हुआ, तो अनन्या ने ऋतिक रोशन से जुड़ी अपनी पुरानी याद साझा की। उन्होंने बताया कि ऋतिक उनके बचपन के पहले प्यार थे और उन्हें सामने देखकर वह अपना उत्साह संभाल नहीं पाती थीं।

अनन्या ने बताया कि बचपन में एक बर्थडे पार्टी के दौरान ऋतिक रोशन वहां से जाने वाले थे। तभी वह अपनी दोस्तों के साथ उनके पास पहुंच गईं और उन्हें रोककर कहा, अंकल, प्लीज-प्लीज, हम आपको धूम मचाले दिखाना चाहते हैं। अनन्या के मुताबिक, ऋतिक उनकी बात मानकर बैठ गए और फिर उन्होंने अपनी दोस्तों के साथ उनके सामने डांस किया। इस दौरान लड़कियों ने धूम मचाले और क्रेजी किया रे जैसे गानों पर परफॉर्मेंस दी। इतना ही नहीं, उन्होंने एक ही डांस तीन बार दोहराया। अनन्या ने हंसते हुए बताया कि लगातार परफॉर्मेंस देखने के बाद ऋतिक काफी थके हुए नजर आने लगे थे। उन्हें लग रहा था कि शायद अभिनेता मन ही मन सोच रहे होंगे कि अब और डांस नहीं देखना है।



**मेट्रो बाजार**



# भारतीय कंपनियों की कमाई में उछाल दूसरी तिमाही में बिक्री 24.5% बढ़ी

**नई दिल्ली ।** भारतीय कंपनियों का वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में प्रदर्शन मजबूत रहा है। इस दौरान गैर-वित्तीय कंपनियों की शुद्ध बिक्री सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत बढ़ी है। साथ ही, परिचालन मुनाफा सालाना आधार पर 23.6 प्रतिशत बढ़ा है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। केयरएज रेटिंग्स की यह रिपोर्ट 1,572 सूचीबद्ध गैर-वित्तीय कंपनियों के सैंपल पर आधारित है। इसमें बताया गया कि शुद्ध बिक्री में वृद्धि दर पिछली तिमाही के 22 प्रतिशत से और तेज हो गई है। यह लगातार चौथी तिमाही है जब दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज की गई है। यह व्यापक वृद्धि मुख्य रूप से तेल और गैस, ऑटोमोबाइल और उससे जुड़े क्षेत्रों, बुनियादी ढांचे और लौह एवं इस्पात क्षेत्रों की बदौलत हुई है। कुल बिक्री में इन क्षेत्रों का हिस्सा लगभग 60 प्रतिशत है। रिपोर्ट में अनुमान जताया गया, ÷भले ही घरेलू और वैश्विक स्तर पर चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन अब तक दिखी गति और बदलती चुनौतियों से निपटने की कंपनियों की क्षमता को देखते हुए, आने वाली तिमाहियों में भी कॉर्पोरेट प्रदर्शन मजबूत बना रहेगा।÷ वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कुल परिचालन मुनाफा में 23.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछली तिमाही में यह 5.3 प्रतिशत थी। इसमें ऑयल और गैस सेक्टर का बड़ा योगदान रहा, जिसे डीजल की कीमत और कच्चे तेल की कीमत के बीच का अंतर में भारी बढ़ोतरी के कारण बेहतर रिफाइनिंग मार्जिन का फायदा मिला। अगर ऑयल और गैस सेक्टर को हटा दें, तो भी परिचालन मुनाफे में 19.6 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई।

# देश में शादियों की धूम से अर्थव्यवस्था को लगेगा 7.5 लाख करोड़ का बूस्टर!

**नई दिल्ली।** देश में शादी का सीजन इस बार बाजारों और कारोबारियों के लिए बड़ी खुशखबरी लेकर आ रहा है। घरों में शहनाइयां गूंजेंगी तो बाजारों में भी जमकर रौनक दिखाई देगी। आगामी 21 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच देशभर में करीब 52 लाख शादियां होने का अनुमान है। इन शादियों के आयोजन और खरीदारी से लगभग 7.5 लाख करोड़ रुपये की आर्थिक गतिविधियां पैदा होने की संभावना है। कैट के मुताबिक, दिसंबर के मध्य में खरमास शुरू होने से पहले शादी का यह सीजन कारोबार के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इसका फायदा छोटे-बड़े व्यापारियों से लेकर कारीगरों, निर्माताओं और सेवा क्षेत्र से जुड़े लाखों लोगों को मिलने की उम्मीद है। कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल के अनुसार, शादियां अब केवल पारिवारिक आयोजन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले बड़े आर्थिक इकोसिस्टम का रूप ले चुकी हैं। शादी के दौरान होने वाली खरीदारी और सेवाओं पर खर्च से कई कारोबारों को एक साथ फायदा मिलता है। अनुमान के मुताबिक, कुल 7.5 लाख करोड़ रुपये के कारोबार में लगभग 4 लाख करोड़ रुपये वस्तुओं और खुदरा खरीदारी से आएंगे। वहीं, करीब 3.45 लाख करोड़ रुपये का योगदान सेवा क्षेत्र से होने की संभावना है। खरीदारी की बात करें तो ज्वेलरी और कीमती धातुओं पर सबसे ज्यादा करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। इसके बाद कपड़ों और परिधानों पर लगभग 90 हजार करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। इसके अलावा उपहार, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, घरेलू सामान, किराना, मिठाइयों और शादी से जुड़े अन्य उत्पादों की भी खूब मांग रहने की उम्मीद है।



# बांग्लादेश फिर अस्थिरता की ओर



**ढाका। एजेंसी**

बांग्लादेश की सड़कों पर जमकर बवाल हो रहा है। शेख हसीना का गढ़ कहे जाने वाले गोपालगंज से बड़े पैमाने पर हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं। शेख हसीन की पार्टी अवामी लीग और उसके छात्र संगठन छात्र लीग के हजारों सदस्य सड़कों पर उतर आए हैं। अवामी लीग कार्यकर्ताओं ने सत्ताधारी बांग्लादेश नेशलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसद एसएम जिलानी के घर में आग लगा दी। इसके अलावा तुंगीपाड़ा पुलिस स्टेशन को भी आग के हवाले कर दिया गया है। ये घटनाएं ऐसे समय में हुई हैं, जब बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दिसम्बर 2026 तक देश वापस लौटने का ऐलान किया है। बांग्लादेश में राजनीतिक तनाव चरम पर है और पिछले कई दिनों से लगभग रोज ही देशी बम धमाकों और वाहनों में आगजनी की खबरें आ रही हैं। इन घटनाओं ने चिंता पैदा कर दी है कि क्या बांग्लादेश एक बार फिर राजनीतिक अस्थिरता की ओर बढ़ रहा है। फरीदपुर के भांगा में अवामी लीग और छात्र लीग के सदस्यों ने ढाका-बरिसाल हाईवे जाम कर दिया। इस दौरान तीन बाइक में आग लगा दी गई। इस घटना में कृषक के नेता राजू मुल्ला की बुरी तरह झुलसने से मौत हो गई। कृषक दल बीएनपी की किसान शाखा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, हिंसा तब भड़की जब तुंगीपाड़ा पुलिस ने अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। इन गिरफ्तारियों के बाद मस्जिदों के लाउडस्पीकरों से ऐलान किया गया। बड़ी संख्या में अवामी लीग कार्यकर्ता जमा हुए और पुलिस स्टेशन पर धावा बोल दिया। पुलिस स्टेशन को आग लगा दी गई और हिरासत में लिए गए लोगों को छुड़ा लिया गया। इसके बाद बीएनपी सांसद एसएम जिलानी के घर पर पहुंचे और इसमें तोड़फोड़ के बाद आग लगा दी।

## न्यूज विंडो

### शार्ट सर्किट से लगी आग में दो बेटियों सहित मां की मौत



**शामली।** जिले के बाबरी थाना इलाके के कैड़ी गांव के ईदगाह मोहल्ले में बुधवार की रात करीब 12 बजे मकान में आग लगने से मां और दो बेटियां जिंदा जल गईं। ग्रामीणों और दमकल की टीम ने मिलकर आग को बुझा दिया। पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि कमरे में लगे बिजली के बोर्ड में शॉर्ट सर्किट से आग लगी। पास में ही गैस के दो सिलिंडर रखे थे। रेगुलेटर से गैस लीक कर रही थी इस वजह से जब शॉर्ट सर्किट से चिंगारी निकली तो सिलिंडरों में विस्फोट हो गया। इससे आग ने भयंकर रूप ले लिया। इस वजह से मां और बेटियों को भागने का मौका नहीं मिला। आग बुझने के बाद मलबे से साजिद की पत्नी शाहिदा शाहिदा (36) और दो बेटियां अदन (13) व माहिरा (11) का शव निकाला गया।

### अमन विहार में कार की टक्कर से मासूम छात्र की मौत, दो घायल

**दिल्ली-एनसीआर।** अमन विहार में एक भीषण सड़क हादसे में एक छात्र की मौत हो गई, जबकि दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना 18 नवंबर को हुई, जब एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिस पर तीन स्कूली बच्चे सवार थे। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बारे में बताया जा रहा है कि वह शराब के नशे में था। पुलिस को 18 नवंबर 2026 को अमन विहार पुलिस स्टेशन में एक पीसीआर कॉल मिली, जिसमें एक कार द्वारा मोटरसाइकिल को टक्कर मारने की सूचना दी गई थी। पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि तीनों बच्चों को अस्पताल ले जाया गया है। संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में एक बच्चे को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि अन्य दो बच्चों का इलाज अग्रसेन अस्पताल में चल रहा है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, मोटरसाइकिल मृतक बच्चे के पिता चला रहे थे। कार चालक कथित तौर पर शराब के नशे में था और बहुत तेज रफ्तार से, लापरवाही और खतरनाक तरीके से गाड़ी चला रहा था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

### उत्तराखंड: विधायक उमेश कुमार को इस्तीफे की मंजूरी का इंतजार

**देहरादून।** हरिद्वार जिले के खानपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक उमेश कुमार के इस्तीफे को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण की मंजूरी का इंतजार है। ग्रीष्मकालीन



राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण में हुए विधानसभा सत्र के दौरान विधायक ने इस्तीफा सौंपा था। विधायक उमेश कुमार ने 28 अक्तूबर 2026 को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण को इस्तीफा सौंपा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि जनहित, हरिद्वार और किसानों से जुड़े मुद्दों पर सदन में विपक्ष ने उनका साथ नहीं दिया। वे जन मुद्दों पर विपक्ष के आंदोलनों में साथ रहे, लेकिन उनके मुद्दों पर समर्थन नहीं मिला। बता दें कि विधायक की पत्नी सोनिया शर्मा ने जन निर्माण पार्टी पंजीकृत कराई है और कई सीटों पर उम्मीदवार उतारने की चर्चा है। 2027 का विधानसभा चुनाव जन निर्माण पार्टी से लड़ सकते हैं। उधर, विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने बताया कि इस्तीफे को स्वीकार करने से पहले परीक्षण किया जाता है। इसकी प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

**अमेरिका की साइबर सुरक्षा में बड़ा बदलाव... केर्नक्रॉस ने दिया था इस्तीफा**

# डेविस को बनाया ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर का कार्यवाहक प्रमुख

**वाशिंगटन। एजेंसी**

अमेरिका में लगातार हो रही तकनीकी गड़बड़ियों और साइबर हमलों के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने साइबर सुरक्षा नेतृत्व में बड़ा बदलाव किया है। व्हाइट हाउस ने गुरुवार को कर्स्टन ए. डेविस को ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर (ओएनसीडी) का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया। वह सीन केर्नक्रॉस की जगह लेंगी। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका के बैंकिंग, विमानन और टेक्नोलॉजी सेक्टर में लगातार तकनीकी व्यवधान सामने आ रहे हैं और प्रशासन की साइबर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। नेशनल साइबर डायरेक्टर के स्थायी पद के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी जरूरी है। इसलिए डेविस फिलहाल कार्यवाहक प्रमुख के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगी। सीन केर्नक्रॉस अगस्त 2025 से संघीय साइबर सुरक्षा नीति और रणनीति की देखरेख कर रहे थे। पद छोड़ने के बाद उन्होंने कहा- राष्ट्रपति ट्रंप के साथ काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा।

डेविस ने नियुक्ति के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति ट्रंप और प्रशासन के वरिष्ठ



### कौन हैं कर्स्टन डेविस?

कर्स्टन डेविस के पास सरकारी और निजी क्षेत्र में साइबर सुरक्षा का लंबा अनुभव है। उन्होंने 23 दिसंबर 2025 को डिपार्टमेंट ऑफ वॉर के मुख्य सूचना अधिकारी के रूप में शपथ ली थी। इस पद पर वह सूचना प्रबंधन, आईटी, साइबर सुरक्षा और सूचना सुरक्षा से जुड़े मामलों में युद्ध विभाग के सचिव की प्रमुख सलाहकार थीं। इससे पहले वह यूनिलीवर में मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (सीआईएसओ) रह चुकी हैं। उन्होंने एस्टी लॉडर, बार्कलेज-अफ्रीका ग्रुप, हेवलेट पैकार्ड एंटरप्राइजेज और सीमेंस जैसी वैश्विक कंपनियों में भी वरिष्ठ तकनीकी और साइबर सुरक्षा पदों पर काम किया है। वह डिजिटल क्षेत्र में नागरिकों की सुरक्षा पर काम करने वाले गैर-लाभकारी संगठन 'इंस्टीट्यूट फॉर साइबर' की संस्थापक भी हैं।

### जेपी मॉर्गन के ग्राहकों का डेटा लीक

डेविस की नियुक्ति के बीच अमेरिका में साइबर सुरक्षा से जुड़ी एक और बड़ी घटना सामने आई है। जेपी मॉर्गन चेस ने गुरुवार को बताया कि उसके साथ काम करने वाली थर्ड पार्टी सेवा प्रदाता कंपनियों पर साइबर हमला हुआ है। शुरुआती जांच में पता चला कि हमलावरों ने इन कंपनियों के पास मौजूद कुछ मार्केटिंग डेटा तक पहुंच बनाई। इसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल हो सकते हैं। रिपोर्टस के मुताबिक, ह्0ह् नाम के रैंसमवेयर समूह ने करीब 16 हजार अमीर ग्राहकों का डेटा लीक करने की जिम्मेदारी ली है। प्रभावित रिकॉर्ड में ईमेल पते, फोन नंबर और अकाउंट आईडी शामिल बताए गए हैं। यह मामला जेपी मॉर्गन के रिजर्व प्रोग्राम से जुड़ा बताया जा रहा है।

### कई तकनीकी गड़बड़ियों से बढ़ी चिंता

अमेरिका में हाल के दिनों में कई बड़े तकनीकी रुकावट सामने आए हैं। जेपी मॉर्गन समेत कई बैंकों में सॉफ्टवेयर की गड़बड़ी के कारण लेनदेन प्रक्रिया प्रभावित हुई। इस मामले में करेंसी और बैंकिंग व्यवस्था की निगरानी करने वाले ऑफिस ऑफ द कंट्रोलर ऑफ द करेंसी (ओसीसी) ने भी पूछताछ की है। एजेंसी ने गड़बड़ी के असर और ग्राहकों को दी गई जानकारी की समीक्षा की। इसके अलावा, पिछले सप्ताह फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एएए) की ओर से देशभर में विमानों को उड़ान भरने से रोकने का आदेश जारी किया गया था, जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ। माइक्रोसॉफ्ट की ईमेल सेवाओं में वैश्विक स्तर पर व्यवधान आया और पिछले महीने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस पर बड़ा साइबर हमला हुआ।

# राहुल गांधी 40 दिन बाद भी राष्ट्रपति को नहीं दे पाए 'वोट चोरी' होने के सबूत

**कांग्रेस नेता बोले- मिल जाएगा तो देंगे**

**नई दिल्ली। एजेंसी**

राहुल गांधी की अगुवाई वाले विपक्ष के 'वोट चोरी ' के आरोपों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलकर ज्ञापन सौंपे शुक्रवार को 41 दिन हो चुके हैं, लेकिन इनके पास अभी तक सबूत के नाम पर शून्य है। लोकसभा में विपक्ष के नेता की अगुवाई में विपक्षी दलों का एक प्रतिनिधिमंडल 9 अक्टूबर को राष्ट्रपति से मिलकर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआइआर) तत्काल रोकने और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग कर चुका है।

### विपक्ष नहीं दे पा रहा 'वोट चोरी' के सबूत

राष्ट्रपति भवन से कथित 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर ज्ञापन देकर निकलने के बाद विपक्षी नेताओं ने खुद ही कहा था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनसे उनके दावों के समर्थन में सबूत मांगे हैं और वह जल्द ही उन्हें यह सौंप भी देंगे। लेकिन, करीब डेढ़ महीने के बाद भी विपक्षी नेताओं के रवैए से लग रहा है कि एसआईआर प्रक्रिया और सीईसी ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाने जितनी सक्रियता सबूत देने में नहीं है।

> 14 करोड़ लोग जो 2024 में वोट दे सकते थे, उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया।
>
> 
>
> हमने चुनाव आयोग से पूछा कि इन परिस्थितियों में चुनाव को वैध कैसे माना जा सकता है? फिर भी वे चुप रहे। चुनाव व्यवस्था सुधारे बिना कुछ भी नहीं बदलेगा। हम इसपर लगे हुए हैं। हमारे पास चुनावी धांधली के पर्याप्त सबूत हैं।
>
> – राहुल गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता (कोलंबिया यूनिवर्सिटी में)

### कांग्रेस नेता बोले कि 'सबूत खोजने में लगे हैं'

'वोट चोरी' से जुड़े सबूतों पर कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के अन्य नेताओं के जवाबों में तालमेल की भी स्पष्ट झलक दिखती है, जिससे विपक्ष के दावों की संवेदनशीलता को लेकर एक संदेह की स्थिति पैदा हुई है। हमारे सहयोगी अंग्रेजी अखबार श्वञ्ज ने इस मामले में कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के कुछ वरिष्ठ नेताओं से जो बात की, उससे विपक्ष की गंभीरता पर सवाल उठ सकते हैं।

# बच्चों से बुरा वर्ताव करने वाली डे-केयर की प्रिंसिपल को 5 साल जेल

**जकार्ता। एजेंसी**

इंडोनेशिया के योग्याकार्ता शहर के एक डे-केयर सेंटर में 53 बच्चों के साथ मारपीट और बुरे बर्ताव के मामले में प्रिंसिपल को 5 साल जेल की सजा सुनाई गई है। लिटिल अरेशा सेंटर के कर्मचारी बच्चों के हाथ-पैर कपड़े से बांधकर रखते थे। अप्रैल में सामने आए ष्टष्ठङ्कड्ड फुटेज में बच्चे सिर्फ डायपर पहने फर्श पर पड़े दिखे थे। पुलिस के मुताबिक, सेंटर में मौजूद 103 बच्चों में से 53 के साथ बुरा बर्ताव हुआ था। सेंटर की पूर्व प्रिंसिपल अनीता पालुपी इंदाहसारी को गुरुवार, 19 नवंबर को अदालत ने दोषी ठहराया। जज सुनारयांतो ने कहा कि अनीता ने बच्चों की देखभाल में लापरवाही की, बिना अनुमति सेंटर चलाया और बच्चों पर हो रही हिंसा को नहीं रोका। अदालत ने अनीता पर 51 करोड़ इंडोनेशियाई रुपिया का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर उनकी संपत्ति जब्त कर नीलाम की जाएगी। सरकारी वकीलों ने अनीता के लिए 10 साल जेल की मांग की थी। फैसले से पीड़ित बच्चों के परिवार नाराज हैं। सुनवाई में मौजूद एक बच्चे की मां त्रि सुसिलावती ने कहा कि बच्चों के साथ जो हुआ, उसके मुकाबले यह सजा बहुत कम है। उन्होंने कहा कि सरकारी वकीलों को इस फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील करनी चाहिए। इस मामले में सेंटर चलाने वाले लिटिल अरेशा फाउंडेशन की प्रमुख दिया कुसुमस्तुति को पहले ही 10 साल जेल की सजा मिल चुकी है। वहीं, सेंटर की 11 महिला कर्मचारियों को अक्टूबर में 2 से 3 साल तक की जेल हुई थी।

# गिफ्ट निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड

## ओपन इंटरेस्ट 22.21 अरब डॉलर पहुंचा

**गांधीनगर। एजेंसी**

भारतीय शेयर बाजार की वैश्विक पहचान और बढ़ती कारोबारी गतिविधियों के बीच गुजरात की गिफ्ट सिटी स्थित गिफ्ट निफ्टी ने नया कीर्तिमान बनाया है। 18 नवंबर 2026 को इसका ओपन इंटरेस्ट अब तक के सर्वोच्च स्तर 22.21 अरब अमेरिकी डॉलर यानी करीब 2.07 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान कुल 4,38,887 कॉन्ट्रैक्ट्स ओपन रहे। इसके साथ ही गिफ्ट निफ्टी ने 23 अक्टूबर को बनाए गए 21.84 अरब डॉलर के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

गिफ्ट निफ्टी का यह प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और बाजार प्रतिभागियों के बीच भारतीय शेयर बाजार से जुड़े डेरिवेटिव कारोबार की बढ़ती सक्रियता को दर्शाता है। ओपन इंटरेस्ट का मतलब उन वायदा और विकल्प कॉन्ट्रैक्ट्स की कुल संख्या से है, जो कारोबार के दौरान खुले रहते हैं और जिनका निपटारा अभी नहीं हुआ है। 3 जुलाई 2023 को गिफ्ट निफ्टी का पूर्ण परिचालन शुरू हुआ था। इसके बाद से एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (एनएक्सई11) पर कारोबार में लगातार विस्तार हुआ है।

गिफ्ट निफ्टी भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 से जुड़ा वायदा अनुबंध है। इसके जरिए अंतरराष्ट्रीय निवेशक भारतीय बाजार की दिशा को लेकर अपनी कारोबारी रणनीति बना सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसका कारोबार गुजरात की गिफ्ट सिटी स्थित एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज पर अंतरराष्ट्रीय समय क्षेत्र के अनुसार होता है। इससे विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार से जुड़ने के लिए एक अतिरिक्त कारोबारी मंच मिलता है।

**मेट्रो एंकर** **दिल्ली हाईकोर्ट ने रेस्टोरेंट एसोसिएशनों की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा**

# रेस्टोरेंट में खाने के बिल में सर्विस चार्ज देना जरूरी नहीं

**दिल्ली-एनसीआर। एजेंसी**

दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि उसने रेस्टोरेंट को सर्विस चार्ज अनिवार्य रूप से वसूलने पर रोक लगाने वाले आदेश के खिलाफ कोई अंतरिम राहत नहीं दी है। यह स्पष्टीकरण अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा के बयान के बाद आया। शर्मा ने बताया कि कुछ रेस्टोरेंट में अभी भी सर्विस चार्ज अनिवार्य रूप से लिया जा रहा है। यह एकल न्यायाधीश के उस आदेश का उल्लंघन है, जिसने सर्विस चार्ज पर रोक लगाई थी।

### रेस्टोरेंट को जबरन सर्विस चार्ज वसूलने से मना किया गया था



कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांब्रे और न्यायमूर्ति संजय शर्मा की खंडपीठ ने यह बात कही। पीठ ने कहा कि एकल न्यायाधीश के 28 मार्च, 2025 के आदेश के खिलाफ कोई अंतरिम राहत नहीं दी गई है। न्यायाधीश सांब्रे ने कहा कि कार्रवाई करना आपका काम है। हमने कोई अंतरिम प्रार्थना मंजूर नहीं की है। अदालत नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) और फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशंस ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) की अपीलों पर सुनवाई कर रही थी। इन अपीलों में एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गई है। अदालत ने गुरुवार को इन अपीलों को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। जुलाई 2022 में, सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी (सीसीपीए) ने दिशानिर्देश जारी किए थे।

### एकल न्यायाधीश का फैसला

एकल न्यायाधीश ने सीसीपीए के दिशानिर्देशों को सही ठहराया था। इन दिशानिर्देशों में कहा गया था कि होटल और रेस्टोरेंट बिलों में सर्विस चार्ज अपने आप नहीं जोड़ सकते। अदालत ने पाया कि सर्विस चार्ज सीधे कर्मचारियों को लाभ पहुंचाता है, इसका कोई प्रमाण नहीं है। एकल न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि सर्विस चार्ज स्वैच्छिक होना चाहिए। ग्राहकों को भुगतान के लिए मजबूर करना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत अनुचित व्यापार प्रथा है। अदालत ने सीसीपीए के वैधानिक अधिकार की भी पुष्टि की।

### भ्रामक शब्दों पर रोक

एकल न्यायाधीश ने 'सर्विस चार्ज' शब्द के भ्रामक उपयोग पर भी रोक लगाई थी। उन्होंने कहा कि यह उपभोक्ताओं को सरकारी कर समझने के लिए गुमराह कर सकता है। रेस्टोरेंट को ऐसे शुल्कों के लिए स्पष्ट शब्दों का उपयोग करने का निर्देश दिया गया। जैसे 'स्वैच्छिक योगदान' या 'कर्मचारी कल्याण कोष' जैसे शब्द इस्तेमाल करने को कहा गया। रेस्टोरेंट को यह भी सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया कि बिलों में ऐसे शुल्क अपने आप न जुड़ें। ग्राहकों को स्पष्ट रूप से सूचित किया जाना चाहिए कि टिप देना स्वैच्छिक है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524